www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 क्या सुप्रीम कोर्ट के नहले पर राष्ट्रपति के... 3 परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने दिल्ली में नई... 4 बहादुर सेना और देश के मजबूत नेतृत्व को...

वर्ष: 9 | अंक: 202 | दिल्ली, शनिवार, 17 मई 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

मेड इन इंडिया ब्रह्मोस मिसाइल ने पाकिस्तान को 'रात के अंधेरे में दिन का उजाला' दिखाया: राजनाथ सिंह

गुजरात (एजेन्सी)। गुजरात के भुज के दौरे पर गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को सीधी चेतावनी देते हुए कहा कि भारत ने पड़ोसी देश को प्रोबेशन पर रखा है। उन्होंने पुष्टि की कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है और आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। भुज एयर फोर्स स्टेशन पर वायु सैनिकों को संबोधित करते हुए सिंह ने पाकिस्तानी सेना को सावधान करने के लिए मशहूर उर्दू शायर बशीर बद्र की एक पंक्ति का हवाला दिया: "कागज का ये लिबास चिरागों के शहर में, जरा संभाल संभल के चलो तुम नशे में हो।" भारत की सैन्य क्षमताओं के बारे में बोलते हुए सिंह ने ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत और ऑपरेशन के दौरान इसके प्रभाव की ओर इशारा किया। सिंह ने कहा, "यहां तक कि पाकिस्तान ने भी ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत को स्वीकार किया है। हमारे देश में एक पुरानी कहावत है, 'दिन में तारे देखना।' मेड इन इंडिया ब्रह्मोस मिसाइल ने पाकिस्तान को 'रात के अंधेरे में दिन का उजाला' दिखाया।" रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान को मिलने वाली अंतरराष्ट्रीय फंडिंग पर सवाल उठाए और इसके इस्तेमाल पर चिंता जताई।

दिल्ली-एनसीआर में धूल भरी आंधी के बाद हुई बारिश, ऑरेंज अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। शुक्रवार शाम को दिल्ली-एनसीआर में अचानक धूल भरी आंधी के बाद बारिश हुई, जिससे पूरा क्षेत्र धूल से ढक गया और सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। भारतीय मौसम विभाग ने हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ तेज हवाएँ चलने की चेतावनी जारी की है। सोशल मीडिया पर यूजर्स द्वारा शेयर किए गए विजुअल्स में शहर की व्यस्त सड़कों पर बारिश होती दिखाई दे रही है, जिससे चिलचिलाती गर्मी से राहत मिली है। एनसीआर के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह के नजारे देखने को मिले। मौसम में अचानक बदलाव से राष्ट्रीय राजधानी में धूल भरी आंधी आई, लेकिन साथ ही बढ़ती गर्मी से राहत भी मिली। आईएमडी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, "अगले 2 घंटों के दौरान दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ हल्की आंधी और बिजली (30-40 किमी/घंटा की तेज हवाएं) आने की संभावना है।" भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, सप्ताहांत में दिल्ली में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है, जबकि न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

गुजरात समाचार के मालिक को राहत

गुजरात (एजेन्सी)। गुजरात समाचार के मालिक बाहुबली शाह को आज सुबह मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था, लेकिन स्वास्थ्य कारणों से उन्हें जमानत दे दी गई। 73 वर्षीय मीडिया दिग्गज को आज सुबह गिरफ्तार किया गया, जब ईडी ने उनसे जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की। 15 से अधिक व्यापारिक संस्थाओं से जुड़े बाहुबली शाह को ईडी की छापेमारी के बाद हिरासत में लिया गया। बाहुबली शाह लोक प्रकाशन लिमिटेड के निदेशकों में से एक हैं, जो गुजरात समाचार अखबार और जीएसटीवी चैनल प्रकाशित करता है। उनके बड़े भाई श्रेयांश शाह (85 वर्ष) अखबार के प्रबंध संपादक हैं। गिरफ्तारी के बाद बाहुबली शाह की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। ईडी ने अभी तक गिरफ्तारी के कारणों के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जगद्गुरु रामभद्राचार्य को 58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान करती हुई। (स्त्रोत: पीआईबी)

आतंकवाद के खिलाफ मजबूत हुआ भारत का सुरक्षा तंत्र: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक में नए मल्टी-एजेंसी सेंटर का उद्घाटन किया, जिसमें भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और खुफिया ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया।

उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, शाह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को देश की बढ़ी हुई रणनीतिक और परिचालन क्षमता का एक उल्लेखनीय प्रमाण बताया। उन्होंने ऑपरेशन की सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, सटीक और समय पर खुफिया जानकारी और भारत के सशस्त्र बलों की सटीक मारक क्षमता को दिया। 'ऑपरेशन सिंदूर पीएम मोदी के अटूट दृढ़ संकल्प, हमारी खुफिया एजेंसियों की सटीकता और हमारे तीन सशस्त्र बलों की त्रुटिहीन मारक क्षमता का एक अनूठा प्रतीक है।

नवनिर्मित मल्टी-एजेंसी सेंटर इंटेलिजेंस ब्यूरो के अंतर्गत कार्य करता है और देश भर में विभिन्न सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय और सूचना विनिमय के लिए नोडल प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करता है।

नई सुविधा से वास्तविक समय की खुफिया जानकारी साझा करने, प्रतिक्रिया तंत्र को तेज करने और आंतरिक और बाहरी खतरों से निपटने में अंतर-एजेंसी तालमेल में सुधार होने की उम्मीद है। शाह ने एक भविष्य के लिए तैयार सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता पर जोर दिया, जो उभरती चुनौतियों, विशेष रूप से आतंकवाद और उग्रवाद से उत्पन्न चुनौतियों का प्रभावी ढंग से जवाब देने में सक्षम हो।

'महेंद्रगढ़ में घरों के ऊपर से हटेंगी 504 हाई टेंशन लाइनें'

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि महेंद्रगढ़ जिले में चिन्हित की गई खतरनाक 11/33 केवी की 504 बिजली लाइनों को घरों के ऊपर से हटाया जाएगा। यह कार्य वर्ष के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। डॉ. अरविंद कुमार शर्मा आज नारनौल में आयोजित जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने पूर्व निर्धारित 14 मामलों की जनसुनवाई की। इस दौरान उनिंदा गांव निवासी बलवान सिंह की शिकायत पर बोलते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पहले से चिन्हित की गई खतरनाक बिजली लाइनों के टेंडर खुल चुके हैं, ऐसे में कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए। ग्राम पंचायत बचीनी द्वारा अवैध कब्जे की शिकायत पर उन्होंने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के 18 मई के प्रस्तावित दौरे के उपरांत इस कार्य को पूर्ण करवाया जाए। खटोटी सुल्तानपुर निवासी मोतीलाल की शिकायत पर अधिकारियों ने जानकारी दी कि संबंधित मामले में 24-ए के तहत नोटिस जारी

किए जा चुके हैं और अवैध कब्जे शीघ्र ही हटाए जाएंगे। सहकारिता मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जन परिवेदना समिति पर नागरिकों को पूर्ण विश्वास है। सभी अधिकारी मिलकर इस विश्वास को बनाए रखें, ताकि लोगों के कार्य समय पर और प्रभावी ढंग से पूरे हों।

इस अवसर पर नारनौल विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री ओमप्रकाश यादव, नांगल चौधरी की विधायक श्रीमती मंजू चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री यतेन्द्र राव, उपायुक्त डॉ. विवेक भारती, पुलिस अधीक्षक श्रीमती पूजा वशिष्ठ तथा जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दिल्ली सरकार ने गिग वर्कर्स के कल्याण की दिशा में उठाया ऐतिहासिक कदम

दिल्ली सरकार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए वेलफेयर बोर्ड का गठन करेगी: कपिल मिश्रा

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। एक ऐतिहासिक पहल के तहत, श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने दिल्ली सचिवालय में गिग वर्कर्स और प्रमुख प्लेटफॉर्म कंपनियों एवं एग्रीगेटर्स जैसे स्विगी, जोमैटो, ब्लिंकिट, उबर, अर्बनक्लैप और बिगबास्केट के प्रतिनिधियों के साथ पहली बार बैठक की। इस बैठक का उद्देश्य गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक, चिकित्सीय और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना था, जो तेजी से बढ़ते गिग इकोनॉमी में उनके कल्याण और अधिकारों को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस बैठक में गिग वर्कर्स को अपनी समस्याओं को सीधे सरकार और एग्रीगेटर्स के सामने रखने का मंच प्रदान किया। उन्होंने लंबे काम के घंटे, अपर्याप्त भुगतान और प्रभावी शिकायत निवारण प्रणाली की कमी जैसी गंभीर समस्याओं को उजागर किया, जिन्होंने उनकी आजीविका को लंबे समय से प्रभावित कर रखा है। गिग वर्कर्स ने बताया कि ये चुनौतियाँ उनके दैनिक जीवन को बड़े स्तर पर प्रभावित कर रही हैं।

गिग वर्कर्स द्वारा उठाए गए मुद्दों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, इन सभी समस्याओं का समाधान प्लेटफॉर्म(कम्पनीज) और एग्रीगेटर्स के सहयोग से किया जाएगा। सरकार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए एक वेलफेयर बोर्ड का गठन करेगी और उनके कल्याण के लिए योजनाएँ तैयार करेगी। मैं प्लेटफॉर्म और एग्रीगेटर्स को यह भी आश्वासन देता हूँ कि उन्हें इंस्पेक्टरों या किसी अन्य अधिकारी द्वारा किसी भी तरह से परेशान नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि दिल्ली सरकार ने इन पहलों के समर्थन के लिए बजट में 10 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया है। बैठक के दौरान, कई प्लेटफॉर्म कंपनियों और एग्रीगेटर्स ने अपने वर्कर्स के समर्थन में पहले से किए जा रहे प्रयासों को साझा किया। उन्होंने बताया कि वे अपने वर्कर्स को चिकित्सा और दुर्घटना कवरेज, कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम और उनके बच्चों के लिए शैक्षिक सहायता प्रदान कर रहे हैं।

इन उपायों का उद्देश्य वर्कर्स के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना और उनकी दीर्घकालिक प्रगति व स्थिरता सुनिश्चित करना है।

जीवन में आध्यात्मिक ज्ञान और भगवान श्री कृष्ण के कर्म के संदेश अपनाएं: सीएम

नायब सिंह सैनी ने लिया संतजनों से आशीर्वाद

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मोबाइल और सोशल मीडिया के दौर में हमारी युवा पीढ़ी को आधुनिकता की दौड़ में अपनी संस्कृति से दूर नहीं होना चाहिए। युवाओं को जीवन में संतुलन स्थापित करने के लिए आध्यात्मिक ज्ञान और भगवान श्री कृष्ण के कर्म के संदेश को अपनाना चाहिए।

मुख्यमंत्री वीरवार को देर शाम गुरुग्राम के सेक्टर 29 स्थित लेजर वैली पार्किंग में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित श्री कृष्ण कृपा प्रेरणा उत्सव को सम्बोधित कर रहे थे। श्री नायब सिंह सैनी ने कार्यक्रम में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी और उनका आशीर्वाद लिया। श्री कृष्ण कृपा प्रेरणा उत्सव में दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता व देशभर से संत समाज और भजन गायकों ने भी शिरकत की।

मुख्यमंत्री ने देश भर से पहुंचे संत समाज, हरियाणा की बेटी व दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता का प्रदेश में आगमन पर स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि चाहे आप डॉक्टर, इंजीनियर या उद्यमी बनें, लेकिन जीवन में प्रेम और त्याग की भावना को जरूर रखें। जब भी समय मिले, गीता के दो श्लोक अवश्य पढ़ें। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि आने वाली पीढ़ियां भारतीय संस्कृति को केवल पुस्तकों में नहीं, जीवन में भी आत्मसात करें।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरुग्राम की भूमि केवल एक आधुनिक शहर नहीं है, यह महाभारत काल से लेकर आज तक सांस्कृतिक चेतना की भूमि रही है। यहीं से गुरु द्रोणाचार्य ने शिष्यों को धर्म और युद्ध की शिक्षा दी। संतों ने हमेशा अहिंसा का मार्ग दिखाया, लेकिन कई बार हमारी सहनशीलता को हमारी कमजोरी समझ लिया गया। जिसका जवाब हमने रौद्र रूप धारण कर भी दिया। बीते दिनों पहलगाम में कायराना हरकत हुई तो हमारी सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर के रूप में आतंकियों का सीमा पार जाकर नाश किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह सैन्य अभियान राष्ट्रीय गरिमा का प्रतीक बन गया। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद को साधुवाद देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके प्रयासों से आज दुनिया भर में श्रीमद्भागवत गीता के ज्ञान की धारा अविरल बह रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार केवल विकास के भौतिक आयामों तक सीमित नहीं है। हम चाहते हैं कि हरियाणा में आध्यात्मिक चेतना का भी उत्थान हो। इसी उद्देश्य से कुरुक्षेत्र को धर्मनगरी के रूप में वैश्विक पहचान देने हेतु गीता महोत्सव को अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप दिया गया है। तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से वृद्धजनों को तीर्थयात्रा की सुविधा दी जा रही है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने सम्बोधन में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी व उनकी टीम से मिले सहयोग को लेकर आभार जताया।

नशे के विरुद्ध मुहिम को बहुत ही सुचारू और योजनाबद्ध ढंग से लागू किया गया: सीएम

'यदि विरोधी दल सत्ता में आई तो राज्य में नशे की समस्या फिर से पैर पसारेगी'

एसबी संवाददाता

लखनापाल (जालंधर)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज राज्य के लोगों से आने वाली पीढ़ियों को बचाने के लिए नशे की समस्या से निपटने के लिए पहरेदार के तौर पर काम करने का आह्वान किया।

लोगों को नशे के विरुद्ध जंग में शपथ दिलाने के लिए रखे गए समारोह में सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें यह जानकर बहुत खुशी हुई कि लोग कह रहे हैं कि नशे के विरुद्ध की शुरूआत के बाद गांवों में हालात बदल गए हैं। उन्होंने कहा कि नशे के विरुद्ध यह निर्णायक जंग योजनाबद्ध और बहुत ही सुचारू ढंग से चलाई गई है, जिसके चलते इसके सकारात्मक नतीजे सामने आ रहे हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि नशे की सप्लाई लाइन को तोड़कर तस्करों को लगातार गिरफ्तार करने के साथ-साथ नशा पीड़ितों का पुनर्वास सुनिश्चित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नशा पीड़ितों के शवों और चिताओं की कीमत पर नशा तस्करों को फलने-फूलने की अनुमति नहीं देगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही नशे की सप्लाई लाइन तोड़ दी है और इस घिनौने अपराध में शामिल बड़ी मछलियों को सलाखों के पीछे डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह इतिहास में पहली बार है कि राज्य सरकार द्वारा गैर-कानूनी तौर पर बनाई गई नशा तस्करों की संपत्ति को नष्ट/जब्त किया जा रहा है ताकि मिसाल कायम की जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब की पवित्र धरती को संतों, पीर-पैगंबरों और शहीदों का आशीर्वाद प्राप्त है और पंजाब राज्य अपने जनरलों, लेफ्टिनेंटों, अधिकारियों, खिलाड़ियों आदि के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के नेताओं ने नशा तस्करों से मिलीभगत करके इस गैर-कानूनी कारोबार को प्रोत्साहित किया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि जब पिछली सरकारों में से किसी सरकार ने इस कारोबार को संरक्षण दिया तो उनके बाद वालों ने इस गैरकानूनी कारोबार को बड़े पैमाने पर फलना-फूलना सुनिश्चित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों के नेताओं ने सिर्फ अपने निजी हितों के लिए राज्य के लोगों को मूर्ख बनाया और कभी भी राज्य के हित के लिए कोई फैसला नहीं लिया। उन्होंने कहा कि उनका हर काम अपने करीबियों की भलाई पर केंद्रित था, जिस कारण हमारा राज्य पीछे रह गया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अब जब राज्य सरकार ने नशे के विरुद्ध सफाई अभियान शुरू किया है तो इसके नतीजे साफ दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि नशे की फसल नष्ट कर दी गई है, लेकिन इसके कुछ बीज अभी भी मौजूद हैं, जिन्हें जल्द ही साफ कर दिया जाएगा।

रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने दिव्यांगजनों के साथ मनाया जन्मदिन

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव और सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने शुक्रवार को रोहिणी स्थित आशा किरण होम में मानसिक रूप से दिव्यांगजनों के साथ अपना जन्मदिन मनाया। समाज कल्याण मंत्री ने कहा की, माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपनी पहली होली दो माह पूर्व आपके बीच मनाई थी। आज मैं अपना जन्मदिन आपके साथ मनाने आया हूँ, हमारी सरकार का प्रयास है की समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ भावनात्मक जुड़ाव और समावेश सुनिश्चित किया जा सके।

श्री रविन्द्र इन्द्राज ने दिव्यांगजनों का हाल जानने के बाद आयोजन के दौरान कहा कि आज बच्चों की भावपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मन को आनंद और प्रेरणा से भर दिया है। इस अवसर पर आप सभी से मिला प्रेम और शुभकामनाएँ मेरे लिए जन्मदिन का सबसे शानदार उपहार है। आप सब मेरे लिए ईश्वर का अंश और परिवार के सदस्य की तरह हैं। अपनी कोई भी शिकायत या सुझाव नि:संकोच साझा करें, मैं सदैव आपके लिए उपलब्ध हूँ।

इस आयोजन के बाद मीडिया से बात करते हुए श्री रविन्द्र इन्द्राज ने शनिवार को होने वाली जनसुनवाई की जानकारी दी, उन्होंने बताया की सुबह 11 बजे से बवाना के दादा भैया चौपाल में स्थानीय निवासियों की समस्याओं को लेकर संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में जनसुनवाई की जाएगी।

सिक्किम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परपराएं देश के लिए गौरव का विषय: सीएम रेखा गुप्ता

सिक्किम ने पर्यटन, अर्थव्यवस्था और संस्कृति में दिया अभूतपूर्व योगदान-मिश्रा

संजना भारती/संजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा देश के विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवसों को उत्साहपूर्वक और गरिमापूर्ण ढंग से मनाने की श्रृंखला को आगे बढ़ाने के क्रम में दिल्ली सचिवालय में सिक्किम दिवस के अवसर पर कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग द्वारा एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य सिक्किम राज्य की गौरवशाली सांस्कृतिक धरोहर, जीवंत परम्पराएं एवं ऐतिहासिक विरासत को प्रदर्शित करना था। साहित्य कला परिषद से जुड़े लगभग 20 कलाकारों ने सिक्किम के लोकनृत्य, लोक संगीत और पारंपरिक कलाओं की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। इस कार्यक्रम ने सिक्किम की विविध सांस्कृतिक छवियों को जीवंत कर दिया।

इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, दिल्ली में सिक्किम के नागरिक बड़ी संख्या में निवास करते हैं, जो अपनी मेहनत, समर्पण और कर्मठता से न केवल अपने राज्य बल्कि पूरे देश की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। सिक्किम न केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि वहाँ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, शांतिप्रिय जीवनशैली और विकास के प्रति समर्पण ने पूरे देश के लिए एक मिसाल कायम की है। दिल्ली सरकार ने ये निर्णय लिया है कि प्रत्येक राज्य के स्थापना दिवस को बड़े धूमधाम से मनाया जायेगा। इस विशेष दिन पर, मैं सिक्किमवासियों की खुशहाली, स्वास्थ्य और निरंतर प्रगति की कामना करती हूं।

दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, सिक्किम न केवल सांस्कृतिक दृष्टि से बल्कि पर्यटन, सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी भारत का प्रमुख राज्य है। दिल्ली और सिक्किम के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक सहयोग लगातार सशक्त हो रहा है और आने वाले वर्षों में यह साझेदारी और प्रगाढ़ होगी। इस राज्य की समृद्ध विरासत, प्रेरणादायक परंपराएं और ऐतिहासिक योगदान देश के लिए गर्व की बात है। मैं इस शुभ अवसर पर सिक्किम के नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

इस अवसर पर सिक्किम राज्य की कलात्मक परंपराओं, कारीगरी और सांस्कृतिक प्रतीकों को प्रदर्शित करने के लिए विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसने दर्शकों को सिक्किम की कलात्मक प्रतिभा और सांस्कृतिक समृद्धि से रूबरू कराया।

सम्पादकीय

विदेश नीति

बीती छह मई की देर रात को पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर गरजती मिसाइलों ने दुनिया को कई संदेश दिए हैं। भारतीय कार्रवाई का पहला संदेश यह है कि अब ना सिर्फ भारत, बल्कि उसकी विदेश नीति भी बदल चुकी है। अब अगर भारत का बेगुनाह खून बहेगा तो खून बहाने वाले नापाक हाथों को भारत कहीं से भी ढूंढ़ निकालेगा और उसकी कब्र खोदने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा। पाकिस्तानी हमले के सफल प्रतिकार ने स्वदेशी हथियार तकनीक की खुद-ब-खुद ब्रांडिंग हो गई। पहलगाम के खिलाफ हुई कार्रवाई के बाद भारतीय राजनीति और राजनय को देखने का दुनिया का नजरिया बदलना तय है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत चली महज चार दिनों की कार्रवाई के बाद संघर्ष विराम होने को लेकर सोशल मीडिया पर हंगामा है। बड़े वर्ग का मानना है कि पाकिस्तानी उकसावे के बाद जारी भारतीय कार्रवाई से पाकिस्तान की गर्दन भारतीय पैरों के नीचे आ गई थी। लिहाजा जरूरी था कि उसकी कमर तोड़ दी जाए। भारत के एक बड़े वर्ग को उम्मीद थी कि मौजूदा कार्रवाई के जरिए पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भी भारत का हिस्सा होगा। बहुत लोगों तो लगता था कि अगर ऑपरेशन सिंदूर जारी रहता तो बलूचिस्तान के लिए पाकिस्तान से अलग होने की राह आसान हो जाती। इस लिहाज देखें तो भारत का लोकमानस पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने के पक्ष में था या कह सकते हैं कि अब भी है। लेकिन ध्यान रखना होगा कि युद्ध कभी-भी जनमत के दबाव में लड़े जाते। आधुनिक दौर में जब लड़ाई और हथियारों में तकनीक की पहुंच और पैठ बढ़ी है, सिर्फ जनमत के दबाव में युद्ध लड़ना ताकतवर से ताकतवर देश के लिए संभव नहीं। इस बीच संघर्ष विराम पर राष्ट्रपति ट्रंप के उतावले दावों ने संघर्ष विराम की हकीकत की जिज्ञासा बढ़ा दी है। लोग यह जानने के लिए उतावले हैं कि संघर्ष विराम की असल वजह आखिर क्या है? वैसे ऐसी संवेदनशील जानकारियां शायद ही कभी बाहर आ पाती हैं। इसलिए संघर्ष विराम के पीछे की असलियत को आने वाला इतिहास ही जान पाएगा। जिस तरह पाकिस्तान के एयरबेस समेत तमाम सैनिक ठिकानों को भारतीय सेना ने निशाना बनाया है, उससे बिलबिलाकर वह अमेरिका की शरण में पहुंचा और युद्ध विराम कराने के लिए गुहार लगाने लगा। यह जानकारी कुछ अमेरिकी अखबारों के पन्नों पर आ चुकी है। बहरहाल ऑपरेशन सिंदूर ने संदेश दिया है कि अब भारत रणनीति के तहत जवाब नहीं देगा, बल्कि अपने नागरिकों पर हमले, संप्रभुता और अखंडता पर चोट की हालत में वह निर्णायक कार्रवाई करेगा। इस ऑपरेशन ने एक लक्ष्मण रेखा खींच दी है, जिसे नजरंदाज करना पाकिस्तान के लिए अब संभव नहीं होगा। उसे अब पता चल गया है कि राजनीति और सेना पोषित आतंकवाद और आतंक की नीति को सीधा और करारा जवाब मिलेगा। भारत पिछले करीब साढ़े चार दशक से आतंकवाद को झेल रहा है। पाकिस्तान पहले पंजाब को आतंकवादी आग से झुलसाता रहा तो बाद के दिनों में जम्मू-कश्मीर में खून बहाता रहा। पाक परस्त आतंकी अगर भारतीय संसद, वाराणसी, जयपुर, मुंबई आदि जगहों पर बेगुनाह खून बहाने में कामयाब रहे तो इसकी बड़ी वजह रही पाकिस्तान की आतंकवाद केंद्रित नीति। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने संदेश दिया है कि अब यह नीति नहीं चलेगी। इस बार आतंकवादियों और उनके सरपरस्तों को जिस तरह भारत ने सफल निशाना बनाया, उसके बाद अब आतंकी कार्रवाई करने से पहले सौ बार सोचने को मजबूर होंगे। अब उन्हें सोचना होगा कि आतंक फैलाकर वे दूसरे देश की सीमा में जाकर चैन से नहीं रह पाएंगे। भारत की सेना उन्हें उनके घर में ही मारेगी। ऑपरेशन सिंदूर पर संघर्ष विराम के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में दो-तीन बड़ी बातें कहीं। पहला यह कि खून और पानी साथ नहीं बहेगा। यानी सिंधु जल समझौता स्थगित ही रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि टेरर यानी आतंक और ट्रेड यानी कारोबार एक साथ नहीं चलेगा। यानी आतंक फैलाने वाले देशों के साथ भारत ना तो कारोबार करेगा और न ही उन्हें कोई विशेष दर्जा देगा। सवाल यह है कि भारत की इस बदली नीति की वजह क्या है? भारत की इस बदली नीति की वजह है, उसकी बढ़ती आर्थिक ताकत। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के लिहाज से भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। जल्द ही जापान की अर्थव्यवस्था को वह पीछे छोड़ देगा। भारत की स्वदेशी हथियार तकनीक, चाहे आकाश मिसाइल हो या रूस के सहयोग से विकसित ब्रह्मोस, उन्होंने अपनी अचूक मारक क्षमता दिखाई है। एक तरफ देश आर्थिक ताकत बढ़ाता जा रहा है तो दूसरी तरफ सैनिक ताकत भी बढ़ रही है। शांति के लिए मजबूत आर्थिक और सैनिक ताकत जरूरी होती है। कहना न होगा कि आर्थिक और सामरिक ताकत की वजह से भारत अपनी नीति बदलता हुआ दिख रहा है। भारत की अब तक की घोषित नीति रही है कि वह किसी दूसरे देश के मामले में न हस्तक्षेप करेगा और न ही किसी दूसरे देश का हस्तक्षेप मंजूर करेगा। ऑपरेशन सिंदूर इस नीति में बदलाव का वाहक बनकर आया है। अब तक भारत आतंक के खिलाफ विदेशी धरती पर कार्रवाई के लिए विदेशी ताकतों पर निर्भरत रहता है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने दिखाया है कि अब वह अपनी जनता की रक्षा के लिए किसी की इजाजत का इंतजार नहीं करेगा। इस ऑपरेशन के जरिए भारत ने दुनिया को संदेश दिया है कि अब आतंकी और उसके मास्टरमाइंड कहीं नहीं छिप सकते। भारत उन्हें खोज निकालेगा और उन्हें उनके किए की सजा के तहत अंजाम पर पहुंचाएगा। महिलाओं के माथे का सिंदूर मिटाने वाले आतंकियों को मिटाने के लिए चले ऑपरेशन सिंदूर ने यह भी दिखाया है कि अगर पाकिस्तान आतंकी कार्रवाई के खिलाफ जवाबी हमला करेगा तो उस ना सिर्फ हमला माना जाएगा,बल्कि उसे करारा जवाब भी दिया जाएगा। आजादी के बाद से ही भारत और पाकिस्तान के रिश्तों के बीच कश्मीर बड़ा मुद्दा रहा है। पाकिस्तान हर संभव मंचों, अंतरराष्ट्रीय बिरादरी आदि के सामने कश्मीर राग अलापता रहा है और इसके जरिए जरूरी सहयोग और संसाधन भी हासिल करता रहा है।

जयंती

रूसी मोदी

जन्म-17 मई, 1918, मुम्बई ; मृत्यु-16 मई, 2014, कोलकाता) टाटा समूह के शीर्ष सदस्य थे। वे एयर इंडिया और तत्कालीन इंडियन एयरलाइंस के पूर्व संयुक्त अध्यक्ष और टाटा स्टील के सीएमडी थे। रूसी मोदी वर्ष 1939 में तत्कालीन टेस्को कंपनी में दैनिक वेतन भोगी के तौर पर एक प्रशिक्षु के रूप में जुड़े थे। तब उन्हें 50 पैसे दैनिक वेतन मिलता था। धीरे-धीरे वे कंपनी के लिए काम करते गए और 1993 में टाटा स्टील के अध्यक्ष नियुक्त किये गए। इन्होंने जमशेदपुर को इस्ताप नगरी बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

पुण्यतिथि

के. के. अग्रवाल

जन्म-5 सितंबर, 1958; मृत्यु-17 मई, 2021) भारतीय चिकित्सक और हृदय रोग विशेषज्ञ थे जो भारत के हार्ट केयर फाउंडेशन के अध्यक्ष और गैर सरकारी संगठन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। डॉ. के. के. अग्रवाल को भारत सरकार ने दवा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए देश के चौथे उच्चतम नागरिक पुरस्कार पद्म श्री से 2010 में सम्मानित किया था।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

क्या सुप्रीम कोर्ट के नहले पर राष्ट्रपति के दहले से निकल पाएगा कोई सर्वमान्य हल, लोग हुए उत्सुक?

-कमलेश पांडेय

> राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गत 8 अप्रैल 2025 को दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दर्जनाधिक नीतिगत सवाल उठाए हैं। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में आदेश दिया था कि राज्यपालों और राष्ट्रपति को एक तय समय में उनके समक्ष पेश विधेयकों पर फैसला लेना होगा। याद दिला दें कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर काफी हंगामा हुआ था, जो अब भी विभागीय शीत युद्ध के रूप में जारी है

भारत में विधायिका-कार्यपालिका बनाम न्यायपालिका का टकराव अब कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट की ओर से तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा विधेयक पर फैसला लेने की समयसीमा तय किए जाने पर पहले तो उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा कोर्ट के फैसले पर आपत्ति जताई गई, वहीं अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कतिपय महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं, जिनका जवाब सर्वोच्च न्यायालय को देना चाहिए। बता दें कि समयसीमा तय किए जाने पर राष्ट्रपति ने सवाल उठाते हुए दो टूक शब्दों में कहा है कि संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है! इसलिए सुलगता हुआ सवाल है कि जब कोई प्रावधान ही नहीं है तब इतना बड़ा न्यायिक अतिरेक कैसे सामने आया जिससे भारत की कार्यपालिका और विधायिका में भूचाल आ गया।

बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गत 8 अप्रैल 2025 को दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दर्जनाधिक नीतिगत सवाल उठाए हैं। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में आदेश दिया था कि राज्यपालों और राष्ट्रपति को एक तय समय में उनके समक्ष पेश विधेयकों पर फैसला लेना होगा। याद दिला दें कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर काफी हंगामा हुआ था, जो अब भी विभागीय शीत युद्ध के रूप में जारी है। इसी का परिणाम है कि अब राष्ट्रपति ने इस पर आपत्ति जताई है और साफ साफ कहा है कि जब देश के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, तो फिर सुप्रीम कोर्ट किस आधार पर यह फैसला दे सकता है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समयसीमा तय करने जैसे विषयों पर स्पष्टीकरण मांगा है। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में दिए अपने फैसले में स्पष्ट कहा था कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। राज्यपाल की ओर से भेजे गए विधेयक पर राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा। अगर तय समयसीमा में फैसला नहीं लिया जाता तो राष्ट्रपति को राज्य को इसकी वाजिब वजह बतानी होगी। यही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा था कि राष्ट्रपति किसी विधेयक को पुनर्विचार के लिए राज्य विधानसभा के पास वापस भेज सकते हैं। वहीं यदि विधानसभा उस विधेयक को फिर से पारित करती है तो राष्ट्रपति को उस पर अंतिम फैसला लेना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा था कि अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति के फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अगर राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद की सलाह के खिलाफ जाकर फैसला लिया है तो सुप्रीम कोर्ट के पास उस विधेयक को कानूनी रूप से जांचने का अधिकार होगा। यही वजह है कि राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट से पूछे 14 सवाल पूछे हैं, जो इस प्रकार हैं-पहला, राज्यपाल के समक्ष अगर कोई विधेयक पेश किया जाता है तो संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत उनके पास क्या विकल्प हैं? दूसरा, क्या राज्यपाल इन विकल्पों पर विचार करते समय मंत्रिपरिषद की सलाह से बंधे हैं?

तीसरा, क्या अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल द्वारा लिए गए फैसले की न्यायिक समीक्षा हो सकती है? चतुर्थ, क्या अनुच्छेद 361 राज्यपाल द्वारा अनुच्छेद 200 के तहत लिए गए फैसलों पर न्यायिक समीक्षा को पूरी तरह से रोक सकता है? पांचवां, क्या अदालतें राज्यपाल द्वारा अनुच्छेद 200 के तहत लिए गए फैसलों की समयसीमा तय कर सकती हैं, जबकि संविधान में ऐसी कोई समयसीमा तय नहीं की गई है? छठा, क्या अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति द्वारा लिए गए फैसले की समीक्षा हो सकती है? सातवाँ, क्या अदालतें अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति द्वारा फैसला लेने की समयसीमा तय कर सकती हैं?

आठवां, अगर राज्यपाल ने विधेयक को फैसले के लिए सुरक्षित रख लिया है तो क्या अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट की सलाह लेनी चाहिए? नवम, क्या राज्यपाल और राष्ट्रपति द्वारा क्रमशः अनुच्छेद 200 और 201 के तहत लिए गए फैसलों पर अदालतें लागू होने से पहले सुनवाई कर सकती हैं। दशम, क्या सुप्रीम कोर्ट अनुच्छेद 142 के द्वारा राष्ट्रपति और राज्यपाल की संवैधानिक शक्तियों में बदलाव कर सकता है? ग्यारह, क्या अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल की मंजूरी के बिना राज्य सरकार कानून लागू कर सकती है? बारह, क्या सुप्रीम कोर्ट की कोई पीठ अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या से जुड़े मामलों को सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच को भेजने पर फैसला कर सकती है? तेरह, क्या सुप्रीम कोर्ट ऐसे निर्देश/आदेश दे सकता है जो संविधान या वर्तमान कानूनों मेल न खाता हो? चौदह, क्या अनुच्छेद 131 के तहत संविधान इसकी इजाजत देता है कि केंद्र और राज्य सरकार के बीच विवाद सिर्फ सुप्रीम कोर्ट ही सुलझा सकता है?

दरअसल, ये ऐसे सवाल हैं जिनके जवाब देने में सुप्रीम कोर्ट को काफी माथापच्ची करनी होगी। क्योंकि ये सवाल उसी नौकरशाही द्वारा तैयार किये गए होंगे, जिसका परोक्ष शिकंजा खुद कोर्ट भी महसूस करता आया है और इससे निकलने के लिए कई बार अपनी छटपटाहट भी नहीं छिपा पाता है। इसलिए सुप्रीम जवाब का इंतजार अब नागरिकों और सरकार दोनों को है, ताकि एक और 'लीगल पोस्टमार्टम' किया जा सके। इसलिए लोगों के जेहन में यह बात उठ रही है कि क्या सुप्रीम कोर्ट के नहले पर राष्ट्रपति के दहले से निकल पाएगा कोई सर्वमान्य हल?

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अरुणाचली चाल है पाक के हक में चीन की बौखलाहट

-ललित गर्ग

> भारत को अनेक मोर्चों पर चीन को आडे हाथ लेना होगा, सबसे जरूरी है चीन सामान का बहिष्कार, इस पर सरकार के साथ हमारे उद्योग जगत एवं आम जनता को भी गंभीरता से सोचना होगा। ऐसा करके ही चीन की कमर को तोड़ा जा सकता है, आज दुनिया के अनेक देश चीनी सामान का बहिष्कार कर रहे हैं, हमें भी कठोर कदम उठाने होंगे

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के सफल ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन बौखला गया है। पाकिस्तान की करारी हार एवं उसे दिये गये सबक को चीन पचा नहीं पा रहा है। चीन-पाक की सदाबहार दोस्ती के उदाहरण बार-बार सामने आते रहे हैं, हाल ही में सैन्य टकराव के दौरान चीन ने प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन ही नहीं किया, बल्कि सैन्य व आर्थिक मदद भी की। ऐसे ही संवेदनशील समय पर चीन ने भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने एवं अरुणाचल के 27 स्थानों को चीनी नाम देने की कुचेष्टा की है। उसकी यह नापाक कोशिश भी पाक के साथ खड़े होने का ही प्रयास है। यह ध्यान रहे कि वह अरुणाचल एवं उसके अनेक क्षेत्रों, इनमें आवासीय क्षेत्रों के साथ पहाड़ और नदियां भी हैं, इनको पहले ही चीनी नाम दे चुका है। भारत सरकार ने अरुणाचल के भीतरी स्थानों को नए नाम देने के चीन के निराधार और बेतुके प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए इसकी निन्दा की है। चीन अपनी दोगली नीति, षडयंत्रकारी हरकतों एवं विस्तारवादी मंशा से कभी बाज नहीं आता। वह हमेशा कोई ऐसी कुचेष्टा करता ही रहता है जिससे भारत चीन बॉर्डर पर अक्सर तनाव रहता है। हालांकि भारत ने दो टूक जवाब देते हुए साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह चीनी दुष्प्रचार के सिवाय कुछ नहीं है। चीन की इस हरकत ने यह साफ कर दिया है कि उससे संबंध सुधारने की भारत की तरफ से कितनी ही पहल हो जाए, वह सुधरने वाला नहीं है।

निश्चित ही चीन की ये दकियानूसी हरकतें पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं, यह उसके दुस्साहस एवं उच्छृंखलता का द्योतक है। नाम बदलने से इस स्पष्ट और निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदला जा सकता कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। इस तरह की करतूतों, बचकानी एवं बेतूकी हरकतों से भारत को उकसाना चाहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की भी कोशिश करता रहा है। शायद उसने यह मुगालता पाल लिया है कि ताजा घटनाक्रम से भारत दबाव में आ जाएगा लेकिन भारत अब ऐसे किसी दबाव में न तो आयेगा, बल्कि इनका सक्षम एवं तीक्ष्ण तरीके से जबाव देने में भारत सक्षम है। चीन का अधिक बौखलाहट एवं खीज का बड़ा कारण भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल आदि की इस कदर पोल खोल कर रख दी कि अब उसके लिए दुनिया के निर्धन देशों को अपने दोयम दर्जे एवं घटिसा किस्म के चीनी हथियार बेचना कठिन होगा। पाकिस्तान ने जिस चीनी मिसाइल का इस्तेमाल किया था, उसे भारत ने नाकाम कर दिया।

चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता है। चीन भरोसे लायक देश नहीं है, चीन के प्रति कठोर रवैया जरूरी है। निस्संदेह नाम बदलने जैसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग, सावधान व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। भारत को चीन के साथ अपनी तिब्बत नीति पर भी नए सिरे से विचार करना होगा। पिछले तीसरे साल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के अनेक स्थानों के नाम बदले हैं। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दशार्ता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। जिसमें उसके सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिन्हें रोकने में खूनी संघर्ष हुआ। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। भारत के हिस्से की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से वह चोरी-छिपे और चालबाजी से घुसपैठ करने की कोशिशें करता रहता है। चीन की विस्तारवादी नीति भारत सहित सम्पूर्ण एशिया के लिये ही नहीं, पूरे विश्व के लिए बड़ा खतरा है।

चीन भारत की बढ़ती ताकत एवं रूतबे से परेशान है। भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत चीन को चुभती रही है, इसलिए वह चोरी, चालाकी और चालबाजी से भारत को कमजोर करने की चालें चलता रहता है। दरअसल, सीमाओं को लेकर नित नए विवादास्पद तथ्य लाना चीन की फितरत में शामिल है। अरुणाचल प्रदेश ही नहीं, अक्साई चिन, ताइवान और विवादित दक्षिण चीन सागर पर भी चीन अपना दावा जताता रहा है। शातिर और चालबाज चीन अरुणाचल के किसी दस्तावेज पर भारत का नाम स्वीकार नहीं करता। कुछ मौकों पर तो वह अरुणाचल को अपने नक्शे में शामिल कर दुनिया के सामने साबित करने की कोशिश कर चुका है कि वह उसका इलाका है। मगर भारत की तरफ से मिले सख्त प्रतिरोध की वजह, सामरिक शक्ति और रणनीतिक सूझ-बूझ से उसे हर बार मुंह की खानी पड़ी है।

भारत को अनेक मोर्चों पर चीन को आडे हाथ लेना होगा, सबसे जरूरी है चीन सामान का बहिष्कार, इस पर सरकार के साथ हमारे उद्योग जगत एवं आम जनता को भी गंभीरता से सोचना होगा। ऐसा करके ही चीन की कमर को तोड़ा जा सकता है, आज दुनिया के अनेक देश चीनी सामान का बहिष्कार कर रहे हैं, हमें भी कठोर कदम उठाने होंगे। भारत ने जब भी पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में डलवाने का प्रयास किया, चीन संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो का प्रयोग कर उसे रोकने की कोशिश करता रहा है, जबकि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ युद्ध का समर्थन करती रही है। जिससे पता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। वह वैश्विक संगठनों व मंचों पर भारत के साथ खड़ा होने का दावा एवं ढोंग ही करता है।

भारत एवं चीन दोनों देशों के बीच संबंधों में आने वाली तल्खी की बड़ी वजह भी चीन की नीयत में खोट, उच्छृंखलता एवं अनुशासनहीनता ही है। चीन ने एक बार फिर अपनी इस हरकत से भारत के प्रति शत्रुता को ही जाहिर किया है। भारत के साथ चीन का बर्ताव हमेशा दोगला एवं द्वेषपूर्ण रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। जाहिर बात है कि चीन ने ऐसा न केवल चुनौतीपूर्ण समय में भारत का ध्यान भटकाने के लिये किया है, बल्कि पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाने के लिये भी किया है। अपनी आर्थिक शक्ति के नशे में चूर अहंकारी चीन अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों को जिस तरह धता बता रहा है, उससे वह विश्व व्यवस्था के लिए खतरा ही बन रहा है। अब यह भी किसी से छिपा नहीं कि वह गरीब देशों को किस तरह कर्ज के जाल में फंसाकर उनका शोषण कर रहा है। चीन भूल गया है कि अब भारत 1962 वाला भारत नहीं है, यह नया भारत है और आज का भारत चीन को मिट्टी में मिलाने की ताकत रखता है।

भारत की रणनीति साफ है, स्पष्ट है। आज का भारत समझने और समझाने की नीति पर विश्वास करता है लेकिन अगर हमें आजमाने की कोशिश होती है तो जवाब भी उतना ही प्रचंड देने में वह समर्थ हैं। भारतीय सेना में सरहदें बदल देने की क्षमता है, दुश्मनों को इरादों को ध्वस्त करने का मादा है इसलिये चीन अपने नक्शे में भले ही छेड़छाड़ करता रहे, लेकिन भारत की भूमि पर कब्जाने की उसकी मंशा अब कभी साकार नहीं होगी।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

तुर्की में रूस-यूक्रेन की सीधी वार्ता बेनतीजा रही, दो घंटे से भी कम समय में खत्म

(एजेन्सी)।

तुर्की। रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडलों ने शुक्रवार को इस्तांबुल में तीन साल में पहली बार प्रत्यक्ष शांति वार्ता के लिए मुलाकात की, जो दोनों देशों के बीच घातक आक्रामकता की शुरूआत के बाद से हुई है। रक्षा मंत्री रुस्तम उमरोव के नेतृत्व में एक यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सहयोगी व्लादिमीर मेडिंस्की के नेतृत्व वाली रूसी टीम के साथ बैठक की। उपस्थित अधिकारी एक यू-आकार की मेज के चारों ओर बैठे थे, तथा रूसी और यूक्रेनी एक-दूसरे के आमने-सामने बैठे थे। यूक्रेन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रूस पर तुर्किये में शांति वार्ता के दौरान अस्वीकार्य मांगें रखने का आरोप लगाया। तुर्किये और यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा कि रूस के साथ शांति वार्ता दो घंटे से भी कम समय में समाप्त हो गई।

रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की मुहिम गुरुवार को तब शुरू हुई जब पुतिन ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की द्वारा आमने-सामने बैठक करने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। उल्लेखनीय रूप से, जेलेंस्की ने कहा था कि वह बैठक का हिस्सा तभी बनेंगे जब रूसी राष्ट्रपति इसमें शामिल होंगे। जब पुतिन ने गुरुवार को तुर्की की राजधानी में उनके साथ बैठक करने की जेलेंस्की की चुनौती को स्वीकार नहीं किया, तो यूक्रेनी राष्ट्रपति ने मास्को पर निम्न-स्तरीय वार्ता दल भेजकर युद्ध को समाप्त करने के लिए गंभीर प्रयास नहीं करने का आरोप लगाया, जिसे उन्होंने नाटकीय सहारा "बताया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह जल्द ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ सीधी वार्ता करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इससे पहले पुतिन ने तुर्किये में रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता में शामिल नहीं होने का फैसला किया था। पश्चिम एशिया का चार दिवसीय दौरा करने वाले ट्रंप ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि हम ऐसा करें। अमेरिका वापस जाने के लिए एयरफोर्स वन विमान में सवार होने के बाद ट्रंप ने कहा कि वह जल्द ही पुतिन से बात कर सकते हैं।

डायमंड लीग के दोहा चरण से अभियान का आगाज करेंगे नीरज चोपड़ा

(एजेन्सी)।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा शुक्रवार को अपने डायमंड लीग अभियान का आगाज करेंगे। उनकी नजरें इस साल के आखिर में होने वाली वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में खिताब बरकरार रखने पर लगी होंगी। भारतीयों के बड़ी तादाद में होने से नीरज को यहां काफी समर्थन मिलेगा। नीरज का सामना इस बार एंडरसन पीटर्स, चेक गणराज्य के याकूब वाडलेश, जर्मनी के जूलियन वेबर और मैक्स डेहनिंग, कीनिया के जूलियस येगो और जापान के रॉडरिक जेंकी डीन से होगा। ये सभी बड़ी स्पर्धाओं में नीरज के प्रतिद्वंद्वी रह चुके हैं।

पेरिस ओलंपिक 2024 के गोल्ड पदक विजेता पाकिस्तान के अरशद नदीम इसमें भाग नहीं ले रहे हैं। एशियाई खेलों के सिल्वर विजेता भारत के ही किशोर जेना भी 11 प्रतियोगिताओं में से हैं। जेना का सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 87.54 मीटर है जो पिछली बार यहां 76.31 मीटर का थ्रो लगाकर नौवे स्थान पर रहे थे। वाडलेश ने यहां 88.38 मीटर के थ्रो के साथ खिताब जीता था जबकि चोपड़ा दो सेंटीमीटर पीछे रहे थे। पीटर्स 86.62 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर थे।

टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड और पेरिस में सिल्वर मेडल जीतने वाले चोपड़ा ने सबसे पहले 2018 में यहां डायमंड लीग में भाग लिया था और चौथे स्थान पर रहे थे। उन्होंने 2023 में यहां खिताब जीता और 2024 में दूसरे स्थान पर रहे। विश्व रिकॉर्डधारी कई बार के ओलंपिक चैंपियन चेक गणराज्य के जान जेलेज्नी से कोचिंग ले रहे चोपड़ा ने कहा कि, कतर में भारतीयों से मिलने वाले समर्थन से मैं हमेशा अभिभूत रहता हूं। मेरे पास उनका धन्यवाद करने के लिए शब्द नहीं हैं।

गाजा में इजराइली हमले में 64 लोगों की मौत

(एजेन्सी)।

गाजा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पश्चिम एशिया दौरे के समापन के दौरान शुक्रवार की सुबह इजराइल द्वारा किए गए हमलों में गाजा में कम से कम 64 लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कम से कम 48 शव इंडोनेशियन अस्पताल में लाए गए और 16 शव नासेर अस्पताल ले जाए गए। दीर अल-बला के बाहरी इलाकों और खान यूनिस शहर में रातभर से लेकर शुक्रवार सुबह तक हमले किये गये। ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब ट्रंप खाड़ी देशों के दौरे का समापन पर रहे हैं। हालांकि उन्होंने इजराइल का दौरा नहीं किया। लोगों को उम्मीद थी कि उनके दौरे से युद्धविराम या मानवीय सहायता के रास्ते खुल सकते हैं। गाजा में इजराइल की नाकेबंदी का अब तीसरा महीना है।

इजराइल की सेना ने इन हमलों पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से जारी हमलों में 130 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पहले ही कह चुके हैं कि हमास को खत्म करने के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए वे गाजा में हमलों को और तेज करेंगे।

कैट ने तुर्की और अजरबैजान के साथ खत्म किया व्यापारिक संबंध

(एजेन्सी)।

शुक्रवार को अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन में देशभर के 125 से अधिक शीर्ष व्यापार नेताओं ने सर्वसम्मति से संकल्प लिया कि भारत का व्यापार समुदाय तुर्की और अजरबैजान के साथ सभी व्यापार और व्यावसायिक संबंधों का पूरी तरह से बहिष्कार करेगा, जिसमें यात्रा और पर्यटन जैसे क्षेत्र भी शामिल हैं। व्यापार समुदाय ने भारतीय फिल्म उद्योग से तुर्की या अजरबैजान में किसी भी फिल्म की शूटिंग न करने की भी अपील की और चेतावनी दी कि अगर वहां कोई फिल्म शूट की जाती है, तो व्यापार क्षेत्र और आम जनता दोनों ही उन फिल्मों का बहिष्कार करेंगे।

सम्मेलन में यह भी निर्णय लिया गया कि कोई भी कॉर्पोरेट घराना इन देशों में अपने उत्पाद के प्रचार के लिए शूटिंग नहीं करेगा। सम्मेलन में 24 राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एकजुटता व्यक्त की, तथा भारत के खिलाफ खड़ी किसी भी ताकत का दृढ़ता से विरोध करने की कसम खाई। यह प्रस्ताव हाल ही में तुर्की और अजरबैजान द्वारा पाकिस्तान के लिए खुले समर्थन के जवाब में पारित किया गया था, ऐसे समय में जब भारत एक संवेदनशील और गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा स्थिति का सामना कर रहा है। व्यापार समुदाय इसे विश्वासघात का कार्य मानता है। सभा को संबोधित करते हुए, CAIT के महासचिव और भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, "यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि तुर्की और अजरबैजान, जिन्हें भारत की सद्भावना, सहायता और रणनीतिक समर्थन से लाभ मिला है, अब पाकिस्तान का समर्थन कर रहे हैं-एक ऐसा देश जो आतंकवाद का समर्थन करने के लिए विश्व स्तर पर जाना जाता है। उनका रुख भारत की संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों पर सीधा हमला है और 1.4 अरब भारतीयों की भावनाओं का अपमान है।" सम्मेलन में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर तुर्की की बार-बार भारत विरोधी टिप्पणियां और अजरबैजान का तुर्की के साथ गठबंधन और पाकिस्तान के लिए सार्वजनिक समर्थन भारत की मित्रता और सहयोग के प्रति अनादर को दशार्ता है।

भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने कहा कि सभी व्यापारिक संगठनों ने बहिष्कार का आह्वान किया है, यह भारत के उन वीर सपूतों के समर्थन में है, उन वीर नारियों के समर्थन में है जो देश की सीमाओं को सुरक्षित रखती हैं। मैंने आज व्यापारियों से एक अनुरोध किया। एक नागरिक के तौर पर, अखिल भारतीय व्यापारी महासंघ के रणनीतिक सलाहकार के तौर पर, आज पूरे महासंघ ने संकल्प लिया है कि हम भारत के राष्ट्रीय रक्षा कोष में अपनी तरफ से योगदान देंगे।

वानखेड़े स्टेडियम में रोहित शर्मा स्टैंड का हुआ उद्घाटन

(एजेन्सी)। वानखेड़े स्टेडियम में रोहित शर्मा स्टैंड का अनावरण किया गया। भारतीय वनडे पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और उनका परिवार, महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस, एनसीपी-एससीपी प्रमुख शरद पवार और अन्य लोग भी मौजूद रहे। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) वानखेड़े में चार नए स्थानों का औपचारिक रूप से उद्घाटन कर रहा है-शरद पवार स्टैंड, रोहित शर्मा स्टैंड, अजीत वाडेकर स्टैंड और पूर्व एमसीए अध्यक्ष अमोल काले की याद में एमसीए ऑफिस लाउंज। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने एक बेहतरीन फैसला लिया है। हम उन लोगों का सम्मान कर रहे हैं जिन्होंने हमें गौरवान्वित किया है। बीसीसीआई के अध्यक्ष के रूप में, एमसीए के अध्यक्ष के रूप में शरद पवार ने क्रिकेट के विकास के लिए जो काम किया है, उसने निश्चित रूप से उस मंच में बहुत बड़ा योगदान दिया है जिस पर हम आज क्रिकेट देख रहे हैं और इसलिए, यहां स्टैंड पर उनका नाम देना एमसीए द्वारा लिया गया एक बहुत ही सही फैसला है। मैं इसके लिए उन्हें बधाई देता हूं। भारतीय वनडे पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि आज जो होने जा रहा है, मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। बचपन में मैं मुंबई के लिए, भारत के लिए खेलना चाहता था। कोई भी इस बारे में नहीं सोचता। खेल के महान खिलाड़ियों में अपना नाम दर्ज कराना। उन्होंने कहा कि मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता।

परेश रावल ने 'हेरा फेरी' 3 से किया किनारा

(एजेन्सी)। परेश रावल 'हेरा फेरी' फ्रैंचाइज के अपने किरदार बाबूराव के लगभग पर्याय बन गए हैं। और ऐसा लगता है कि 'हेरा फेरी 3' के साथ कुछ ऐसा है जो मनहूस है। शुरूआत में, अक्षय कुमार तीसरी किस्त का हिस्सा नहीं थे, कार्तिक आर्यन के फिल्म का हिस्सा होने की अफवाह थी। अब जब चीजें पटरी पर आ गई हैं, तो अक्षय ने आखिरकार निमार्ता फिरोज नाडियाडवाला के साथ अपने मतभेदों को सुलझा लिया और फिल्म में शामिल हो गए। बाद में, कानूनी मुद्दों के कारण इसमें देरी होती रही। आखिरकार प्रशंसकों ने राहत की सांस ली, जब अक्षय ने घोषणा की कि फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन करेंगे। लेकिन अब नवीनतम अपडेट के अनुसार, परेश रावल ने 'हेरा फेरी 3' छोड़ दी है। बॉलीवुड हंगामा ने बताया है कि परेश रावल रचनात्मक मतभेदों के कारण फिल्म से बाहर हो गए हैं। एक सूत्र ने एंटरटेनमेंट पोर्टल को बताया, "निमार्ताओं और परेश रावल के बीच रचनात्मक मतभेद थे। नतीजतन, अभिनेता ने फिल्म से हटने का फैसला किया।" पोर्टल ने खबर की पुष्टि करने के लिए परेश रावल से भी संपर्क किया। अभिनेता ने पुष्टि की कि वह वास्तव में फिल्म से बाहर हो गए हैं। फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन करने वाले थे, जो वर्तमान में अपनी फिल्म भूत बंगला की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें परेश और अक्षय कुमार भी हैं। टीम ने पहले ही फिल्म के मुहुर्त शॉट को ओजी कास्ट के साथ फिल्माया है, जिसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल शामिल हैं। इससे पहले, अक्षय कुमार ने फ्रैंचाइजी से बाहर होने का फैसला किया था और ऐसी खबरें थीं कि उनकी जगह कार्तिक आर्यन को लिया गया था। हालाँकि, उस समय परेश रावल ने कार्तिक के फ्रैंचाइजी में शामिल होने की पुष्टि की थी, जबकि यह स्पष्ट किया था कि कार्तिक राजू की भूमिका नहीं निभाएंगे, जिसे अक्षय कुमार ने निभाया था। हालांकि, प्रशंसकों द्वारा अक्षय कुमार की फ्रेंचाइजी में वापसी की मांग के कारण, निमार्ताओं ने इसे संभव बना दिया और कॉमेडी फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त के लिए ओजी कलाकारों को वापस ले लिया गया।

परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने दिल्ली में नई इलेक्ट्रिक बसों की तैनाती की समीक्षा की

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार एक आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल पब्लिक ट्रांसपोर्ट व्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी के तहत परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने दिल्ली में नई ई-बसों की उपलब्धता को लेकर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और पीएमआई इलेक्ट्रो मोबिलिटी, स्विच मोबिलिटी, जेबीएम जैसी प्रमुख बस कंपनियों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा, "हम सार्वजनिक परिवहन को तेजी से बदल रहे हैं। अगले दो महीनों में दिल्ली की सड़कों पर 500 ई-बसें चलेंगी और साल के अंत तक 1000 और बसें इसमें जुड़ेंगी, जिससे लोगों को साफ-सुथरी और बेहतर यात्रा का विकल्प मिलेगा। मंत्री ने कहा कि इन नई इलेक्ट्रिक बसों की शुरूआत दिल्ली को देश की ई-कैपिटल बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश देते हुए कहा, "नई इलेक्ट्रिक बसों को जल्द से जल्द दिल्ली की सड़कों पर उतारा जाए राजधानी में प्रदूषण रहित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और मजबूत हो।

इस बैठक के दौरान परिवहन विभाग ने अवगत कराया कि विभिन्न बस डिपो पर सिविल कार्यों एवं इलेक्ट्रिकरण की प्रक्रिया तीव्र गति से अपने अंतिम चरण में पहुँच चुकी है।

माननीय मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बस कॉनसेशनर्स को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे इलेक्ट्रिक बसों की डिलीवरी में तेजी लाएं और सभी प्रमुख डिपो में एश चार्जिंग इंस्टॉलेशन सुनिश्चित करें इंफ्रास्ट्रक्चर का त्वरित विकास सुनिश्चित करें। जिससे ई-बसों का कुशल संचालन समयबद्ध तरीके से संभव हो सके। दिल्ली के मौजूदा पब्लिक ट्रांसपोर्ट नेटवर्क में DEVI इलेक्ट्रिक बसों को प्रभावी रूप से शामिल करने के लिए एक सुव्यवस्थित रूट रेशनलाइजेशन प्लान लागू किया जा रहा है। प्रारंभिक चरण में ये ई-बसें लगभग 12 किलोमीटर के छोटे रूट्स पर चलाई जा रही हैं, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहाँ 12-मीटर लंबी बसों का संचालन चुनौतीपूर्ण होता है। इस रेशनलाइजेशन के जरिए DEVI बसें-जो लास्ट-माइल कनेक्टिविटी की सुविधा देती हैं, दिल्लीवासियों को विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में लाभ पहुंचाएंगी।

मंत्री ने जोर देकर कहा कि DEVI बसों और उनके रूट्स के बारे में अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि लोग इस पर्यावरण अनुकूल परिवहन विकल्प को अपनाने के लिए प्रेरित हो सकें। माननीय मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि रूट रेशनलाइजेशन और जागरूकता बढ़ने से DEVI बसों की लास्ट-माइल कनेक्टिविटी और बेहतर होगी, जिससे दिल्ली के हर यात्री को स्वच्छ और सुविधाजनक परिवहन सुविधा मिल सकेगी।

नशा मुक्त हुए गांव लंगड़ोआ के निवासियों द्वारा मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की भरपूर सराहना

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

शहीद भगत सिंह नगर। कभी नशे के केंद्र के रूप में जाना जाने वाला गांव लंगड़ोआ अब नशा मुक्त गांव होने का गौरव हासिल कर चुका है। इस गांव के निवासियों ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा राज्य से नशे के अभिशाप को खत्म करने के लिए 'युद्ध नशों विरुद्ध'' की ऐतिहासिक पहल करने के लिए भरपूर सराहना की।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ अपने विचार साझा करते हुए, गांव निवासी जत्थेदार रंजीत सिंह ने कहा कि इस अभियान ने गांव को बहुत बड़ी राहत दी है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के कड़े प्रयासों के कारण गांव पूरी तरह से नशा मुक्त हो गया है। उन्होंने कहा कि यह कदम 'रंगला पंजाब' की ओर एक बड़ी छलांग है क्योंकि उनका गांव नशा मुक्त हो गया है और उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे गांव प्रगतिशील बनेगा।

गांव की एक अन्य निवासी वंशिका सोनी ने कहा कि यह बहुत गर्व के क्षण हैं कि पंजाब सरकार राज्य की पुरानी शान को बहाल कर रही है। उन्होंने कहा कि यह गांव नशे का केंद्र होता था, लेकिन राज्य सरकार के कड़े प्रयासों के कारण गांव को नशा मुक्त बनाया गया है। उन्होंने कहा कि कभी गांव में नशे की मुफ्त बिक्री होती थी, अब यह गांव खेलों के लिए जाना जाता है। उन्होंने नशा तस्करों के खिलाफ बुलडोजर अभियान चलाने के लिए मुख्यमंत्री का विशेष रूप से धन्यवाद किया। एक अन्य ग्रामीण, मास्टर मोहन लाल ने कहा कि यह गांव पिछले छह दशकों से नशे के लिए बदनाम था, लेकिन अब हालात बदल गए हैं क्योंकि अब यहां खेलों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के सक्रिय सहयोग से राज्य में नशों पर पूरी तरह से लगाम लगी है। उन्होंने कहा कि यह गांव अब नशा मुक्त है क्योंकि पुलिस राज्य सरकार के निदेर्शों पर इस बुराई के खात्मे के लिए बहुत चौकस है। गांव के एक अन्य निवासी मोहन सिंह ने कहा कि गांव लंगड़ोआ लंबे समय से नशे के अभिशाप का सामना कर रहा था, लेकिन राज्य सरकार के प्रयासों के कारण यह आज नशा मुक्त है।

नशा सप्लाई करने वालों, डीलरों और खरीदारों के पूरे नेटवर्क का पता लगाया जाएगा: एसएसपी राणा

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़/तरन तारन। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर शुरू की गई नशा विरोधी मुहिम युद्ध नशों विरूद्ध के दौरान 2025 की नशीली पदार्थों की सबसे बड़ी जब्ती करते हुए तरन तारन पुलिस ने यूके-आधारित ड्रग हैंडलर लाली द्वारा चलाए जा रहे पाकिस्तान-आइएसआई समर्थित नारको-तस्करी मॉड्यूल का पदार्फाश किया और मॉड्यूल के भारत-आधारित गुर्गे को 85 किलो हेरोइन समेत गिरफ्तार किया है। यह जानकारी डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने शुक्रवार को यहां दी।

गिरफ्तार किए गए गुर्गे की पहचान अमरजोत सिंह उर्फ जोता संधू के रूप में हुई है, जो अमृतसर के गांव भिटेवाड़ में अपनी रिहायश को नेटवर्क के लिए एक प्रमुख गुप्त ठिकाने के रूप में इस्तेमाल कर रहा था। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि आरोपी अमरजोत अपने यूके-आधारित ड्रग हैंडलर लाली के इशारे पर काम कर रहा था और सीमा पार के नशा तस्करों से ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थों की खेप प्राप्त कर रहा था। उन्होंने आगे कहा कि जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि आरोपी अमरजोत ने विभिन्न सीमा स्थानों से हेरोइन की खेपें प्राप्त कीं और उन्हें पंजाब के अलग-अलग क्षेत्रों में सप्लाई करने के लिए स्थानीय सप्लायरों तक पहुंचाया।

डीजीपी ने कहा कि इस मामले में अगले-पिछले संबंध स्थापित करने के लिए जांच जारी है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां और बरामदगियां संभव हैं।

ऑपरेशन के विवरण साझा करते हुए सीनियर सुपरिन्टेंडेंट ऑफ पुलिस (एसएसपी) तरन तारन अभिमन्यु राणा ने कहा कि भरोसेमंद सूचना पर कार्रवाई करते हुए, डीएसपी (ग्रामीण) गुरिंदरपाल सिंह नागरा की निगरानी में सीआईए स्टाफ की एक टीम ने एक योजनाबद्ध ऑपरेशन चलाया और तरन तारन के झबाल रोड के नजदीक आरोपी अमरजोत सिंह उर्फ जोता संधू को गिरफ्तार किया और उसके एक्टिवा स्कूटर से 5 किलो हेरोइन बरामद की।

एसएसपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान, आरोपी अमरजोत ने स्वीकार किया कि उसने 40-40 किलो की दो खेपें छिपाई हैं, जिनमें से एक रख सराय अमानत खां में छिपाई गई है और दूसरी एक गांव भिटेवाड़ के अपने घर में वाशिंग मशीन में छिपाई है। उन्होंने कहा कि दोनों स्थानों पर पुलिस टीमों को भेजा गया और दोनों से 40-40 किलो की दो खेपें बरामद की गईं, जिससे कुल हेरोइन की मात्रा 85 किलो तक पहुंच गई है। उन्होंने आगे कहा कि गिरफ्तार किए गए आरोपी से प्राप्त नशीले पदार्थों की कुल मात्रा का पता लगाने के लिए सप्लायरों, डीलरों, खरीदारों और हवाला हैंडलरों के पूरे नेटवर्क का पदार्फाश करने के प्रयास जारी है।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर जिले में जागरूकता अभियान चलाया गया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन

बदायूं। जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में फैमिली हेल्थ इंडिया अनिरुद्ध सिंह जिला समन्वयक, जितेंद्र कुमार एवं परमवीर सिंह ब्लॉक कॉर्डिनेटर व मलेरिया निरीक्षक अमित कुमार तिवारी तनवीर सिंह सनी कुमार जीशान अंसारी द्वारा ब्लॉक दातागंज के ग्राम सराय पिपरिया ग्राम भटोली ग्राम डहरपुर व ब्लॉक जगत के ग्राम उनौला ग्राम मरई ब्लॉक सालारपुर के ग्राम बिनावर के प्राथमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं को डेंगू रोग से रोकथाम बचाव एवं नियंत्रण हेतु जागरूक किया गया, ब्लॉक जगत के ग्राम उनौला में पूर्व माध्यमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं की पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया नगर क्षेत्र में विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर डेंगू से बचाव के पोस्टर लगाए गए व पैंपलेट का वितरण किया गया।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने विशेष अभियान के तहत संग्रहित आठ नमूनो को जांच हेतु भेजा लैब

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन

बदायूं। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर-प्रदेश लखनऊ एवं जिलाधिकारी महोदय, बदायूँ के आदेश के क्रम में सहायक आयुक्त (खाद्य)-II सी०एल० यादव के निर्देशन एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में बढ़ती गर्मी के मौसम में उपभोग किये जाने वाले अधिसंख्य खाद्य पदार्थों/पेय पदार्थों जैसे पेय जल, शीतल पेय, स्ट्रिंग एवं एनर्जी ड्रिंक इत्यादि आम जनमानस को सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त रूप से उपलब्ध कराये जाने हेतु जनपद बदायूँ में मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थो की बिक्री पर प्रभावी रोकथाम हेतु चलाये जाने वाले विशेष अभियान के क्रम में शुक्रवार को विभिन्न खाद्य परिसरों से कुल 08 खाद्य पदार्थो/पेय पदार्थों के नमूने वास्ते जाँच हेतु संग्रहित किए गए। आमजनमानस को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया गया।

सहायक आयुक्त (खाद्य)-II सी०एल० यादव ने बताया कि शुक्रवार को विशेष अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने 6 प्रतिष्ठानों से 8 नमूने संग्रहित किए हैं, इन सभी नमूनों को जांच हेतु लैब भेजा गया है। उन्होंने बताया कि कार्यवाही किये गये प्रतिष्ठानों मे सैफुल्लागंज सहसवान स्थित मो० शाहिद के आइसक्रीम निर्माण इकाई से आइसक्रीम का नमूना, सहसवान स्थित अमरीन कोल्ड डिंक्स से काबोर्नेटेड शीतल पेय, मैंगो फ्रूट जूस, लीची जूस का नमूना, जरेठा रोड उस्मानपुर स्थित विजय सिंह के छेना प्रतिष्ठान से छेना की मिठाई का नमूना, वजीरगंज स्थित बाबा जी सेल्स व श्री राम इण्टरप्राइजेज से एनर्जी ड्रिंक का एक-एक नमूना, मोती बिहार कालोनी बदायूँ स्थित नन्दन इण्टरप्राइजेज से आइसक्रीम का नमूना संग्रहीत किया गया।

उन्होंने बताया कि संग्रहित किए गए कुल 08 नमूनों को वास्ते जाँच हेतु खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी। समस्त खाद्य कारोबारकर्ताओं को खाद्य पदार्थो को ढककर रखने, दुकानों में साफ-सफाई रखने, शुद्ध एवं गुणवत्ता पूर्वक खाद्य पदार्थो को बेंचने, बिना लाइसेंस के खाद्य कारोबार नही संचालित करने के कड़े निर्देश दिए गए। मौके पर उपस्थित आम जनमानस को अपमिश्रण से होने वाले दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया गया।

टीम में सहायक आयुक्त (खाद्य)-II सी०एल० यादव, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी आर० पी० सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण सत्येन्द्र सिंह तोमर, आजाद कुमार एवं माता शंकर बिन्द मौजूद रहे।

चंद्रवीर सिंह चौहान को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के एडवायजरी पैनल का सदस्य बनाया गया

संजना भारती संवाददाता

टोंक। भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सेंसर बोर्ड) के एडवायजरी पैनल (सलाहकार समिति) का सदस्य बनाया गया है। एडवाइजरी पैनल का सदस्य बनाए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओ ने चंद्रवीर सिंह चौहान को बधाईया दी। एडवायजरी पैनल (सलाहकार समिति) में सदस्य के रूप में सम्मिलित करने पर जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व सहित सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव का हार्दिक आभार किया है।चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड में सलाहकार सदस्य के रूप में नवीन जिम्मेदारी के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक के मूल्यों को संजोने, कला, संस्कृति की गरिमा बनाए रखने एवं इतिहास की सच्ची जानकारी समाज के प्रस्तुत करते हुए युवाओं के जीवन में सच्चे मूल्यों के विषयों को लेकर प्रस्तुत करने की दिशा में कार्य करने के लिए सतत प्रयास करेंगे। चौहान को प्रभु बाडोलिया, विष्णु शर्मा, संत कुमार जैन,

शैलेन्द्र चौधरी, बबलू टैंकर, प्रधान काबरा, किशन गोपाल जाट, नंदलाल जाट, तरुण टिक्कीवाल, राजेंद्र सिंह राणावत, बनवारी जाट, कमलेश यादव, गणेश सैनी, लोकेश गुप्ता, लक्ष्मी नारायण मीणा, सुनील भारत, अतुल पाराशर, दशरथ भाटी, रमेश गढ़वाल, शंकर विजय, रमाकांत शर्मा, सीमा गौतम, मनीष सिसोदिया, चरण सिंह चौधरी, शंभू शर्मा, मुरारी शर्मा, हरिराम यादव, उत्तम शर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाएं दी।

भारतीय सेना पर संपूर्ण देशवासियों का गर्व है: सोनू

एसबी ब्यूरो

पटना। पहलगाम की घटनाएं को लेकर संपूर्ण देश में आक्रोश है। हर भारतीय पाकिस्तान पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा है।देश के तमाम राज्यों में पाकिस्तान के खिलाफ आक्रोश पूर्ण प्रदर्शन हो रहे हैं। देश के प्रमुख युवा समाजसेवी व हिन्दू वादी नेता सोनू झा ने पहलगाम की घटनाएं में अपनी जान गवाने वाले लोगों के प्रति शोक व्यक्त की है। वही सोनू ने भारत सरकार से मांग किया है कि पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा एक्सन लिया जाय ताकि भविष्य में ऐसी हरकत पाकिस्तान नहीं करे। वहीं उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अगुआई में भारतीय सेना के प्रति भी प्रशंसा व्यस्त किया।

जॉब फेयर में 89 युवाओं को प्रदान किए जॉब ऑफर लेटर : ममता कुमारी

एसबी संवाददाता

कैथल। जिला रोजगार अधिकारी ममता कुमारी ने बताया कि कार्यालय द्वारा शुक्रवार को जिला परिषद के प्रांगण में जॉब फेयर का आयोजन किया गया। इसमें एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, भारत फाइनेंशियल इन्क्लूशन व एसआईएस सिक्योरिटी आदि कंपनियां भाग लिया। मेले के दौरान 112 लोगों ने पंजीकरण करवाया व 89 युवाओं को जॉब ऑफर लेटर प्रदान किए गए। इनमें से एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस द्वारा 40 युवाओं को, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस द्वारा 20, भारत फाइनेंशियल इन्क्लूशन द्वारा 21, एलआईसी द्वारा 4 युवाओं को ऑफर लेटर प्रदान किए गए।

जानलेवा साबित हो रहा आलमचक, भवानीपुर, साठा पथ पर बना स्पीड ब्रेकर

एसबी ब्यूरो

मंसूरचक(बेगूसराय)। सुरक्षा के लिए बनाया गया स्पीड ब्रेकर आम लोगों के लिए खतरा पैदा करने लगा है। इस स्पीड ब्रेकर पर हर रोज लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। शुक्रवार की दोपहर में भी बाइक सवार एक युवक इस स्पीड ब्रेकर की शिकार होकर बुरी तरह जख्मी हो गए। इस स्पीड ब्रेकर के पास बराबर घटनाएं घटती रहती है। उक्त मौके पर मंसूरचक के पूर्व मुखिया वर्तमान मुखिया प्रतिनिधि सह जिला महासचिव राजद अरमान कुरैशी ने बताया कि आलमचक भवानीपुर साठा गुमटी संख्या 28 की और जाने वाली पथ पर अवैध तरीके से 48 स्पीड ब्रेकर है। राहगीर ऐसे स्पीड ब्रेकर के कारण गिरकर घायल हो जाते हैं। अगर समय रहते इस पर कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ा हादसा हो सकता है। वाहन चालकों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध तरीके से बने स्पीड ब्रेकर को हटाया जाय। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना किसी आदेश और नियम के इन ब्रेकरों का निर्माण किया गया है। लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई संज्ञान नहीं लिया गया है। जिससे लोगों में भयंकर आक्रोश देखा गया है। ग्रामीणों और चालकों ने जिला प्रशासन से इस मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की है। ताकि लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

आजाद अधिकार सेना ने भाजपा के मंत्री द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई टिप्पणी के विरुद्ध सौंपा ज्ञापन

संजना भारती संवाददाता

बदायूं। आजाद अधिकार सेना ने मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा देश की बेटी देश की शान कर्नल सोफिया कुरैशी के संबंध में की गई अत्यंत आपत्तिजनक टिप्पणी तथा उसके क्रम में उत्पन्न घटनाक्रम के दृष्टिगत जिला मुख्यालय पर एकत्र होकर भारतीय सेना के अदम्य शौर्य और साहस के लिए उनका सार्वजनिक वंदन और अभिनंदन करते हुए जिला अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति, भारत सरकार को प्रत्यावेदन भेजा।

प्रत्यावेदन में मंत्री विजय शाह द्वारा की गई टिप्पणियों की घोर निंदा की गई. साथ ही इन टिप्पणियों के बाद मध्य प्रदेश सरकार की प्रतिक्रिया की भी तीखी आलोचना की गई. अब तक मंत्री को बर्खास्त नहीं किए जाने के को भी पूरी तरह आपत्तिजनक बताया गया।

प्रतिवेदन में राष्ट्रपति से किसी भी राजनीतिक दल और राजनीतिक व्यक्ति द्वारा सेना और सैन्य अधिकारियों के संबंध में कोई भी टिप्पणी नहीं करने के स्पष्ट निर्देश देने और ऐसी कोई टिप्पणी करने पर केंद्र सरकार द्वारा उसका स्वयं संज्ञान लेकर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश देने की मांग की गई। साथ ही इस प्रकार की टिप्पणी करने वाले किसी भी राजनीतिक व्यक्ति को हमेशा के लिए चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित किए जाने की भी मांग की गई।

विरोध प्रदर्शन के दौरान शिवराज सिंह यादव क्षेत्रीय अध्यक्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश, इंतजार हुसैन जिला अध्यक्ष बदायूं, शहरोज अख्तर जिला उपाध्यक्ष बदायूं कमरुल निशा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा उत्तर प्रदेश व अन्य साथी उपस्थित रहे।

इशिवंदर सिंह ग्रेवाल और मनविंदर सिंह ज्वाइंट डायरेक्टर बने

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। सूचना एवं लोक संपर्क विभाग में कार्यरत आठ अधिकारियों को पदोन्नति दी गई। विभाग में काम कर रहे दो डिप्टी डायरेक्टरों को पदोन्नत करके ज्वाइंट डायरेक्टर और पाँच सूचना एवं लोक संपर्क अधिकारियों को डिप्टी डायरेक्टर तथा एक आर्ट एग्जीक्यूटिव को डिप्टी डायरेक्टर बनाया गया है। पदोन्नत किए गए आठ अधिकारियों को सूचना एवं लोक संपर्क मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस की मंजूरी के बाद आज नई तैनाती के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं।

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग द्वारा 8 मई को की गई विभागीय पदोन्नति कमेटी की बैठकों के बाद ही ये पदोन्नतियां की गई हैं। आज पदोन्नत किए गए ज्वाइंट डायरेक्टर को जारी किए गए तैनाती के आदेशों में इशिवंदर सिंह ग्रेवाल को मुख्यालय चंडीगढ़ और मनविंदर सिंह को ज्वाइंट डायरेक्टर प्रेस/मुख्यमंत्री और अतिरिक्त चार्ज ज्वाइंट डायरेक्टर बार्डर रेंज अमृतसर लगाया गया है। इसी तरह पदोन्नत किए गए छह डिप्टी डायरेक्टरों में से रुचि कालड़ा को बठिंडा, रशिम वर्मा को मुख्यालय और अतिरिक्त चार्ज श्री आनंदपुर साहिब, नवदीप सिंह गिल को मुख्यालय चंडीगढ़, प्रभदीप सिंह कौलधर को मुख्यालय और अतिरिक्त चार्ज संगरूर, हाकम थापर को जालंधर और हरदीप सिंह को मुख्यालय में तैनात किया गया है।

नशे की गिरफ्त से निकले गांव लखनपाल के निवासियों ने चेहरों पर खुशियां लाने के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया

एसबी संवाददाता

लखनपाल (जालंधर)। नशे की गिरफ्त से मुक्त हुए गांव लखनपाल के निवासियों ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का धन्यवाद करते हुए कहा कि राज्य में नशे के कोढ़ को खत्म करने के लिए शुरू की गई 'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम से पंजाबियों के चेहरों पर फिर से रौनक लौट आई है। गांव निवासी सूबेदार मेजर (सेवानिवृत्त) जतिंदर कुमार ने कहा कि यह गांव पहले बहुत प्रसिद्ध गांव था लेकिन फिर नशे के कारण बदनाम हो गया क्योंकि इस इलाके में नशा तस्करों का दबदबा था। उन्होंने कहा कि वे किसी के सामने अपने गांव का नाम लेने से भी झिझकते थे लेकिन अब राज्य सरकार ने गांव से इस कोढ़ को मिटा दिया है। उन्होंने कहा कि भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार ने यह जोरदार मुहिम शुरू की है जिसके कारण लोग अब बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस ने इसमें सराहनीय काम किया है।एक अन्य गांव निवासी हरमेश लाल ने कहा कि युद्ध नशों विरुद्ध मुहिम के तहत नशा तस्करों के घरों पर पीला पंजा चलाकर सराहनीय कदम उठाया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री से खेलों को प्रोत्साहित करने पर जोर देने की अपील की ताकि नौजवानों की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि पहले नशे की समस्या इतनी गंभीर थी कि उनके बच्चों के विवाह भी नहीं होते थे लेकिन अब स्थिति बिल्कुल बदल गई है। गांव निवासी इंदरपाल ने कहा कि युद्ध नशे के विरुद्ध उनके गांव के लिए एक वरदान साबित हुआ है क्योंकि इसने उन्हें बहुत बड़ी राहत दी है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने कभी भी इस गंभीर समस्या पर ध्यान नहीं दिया लेकिन राज्य सरकार ने इस संकट को खत्म कर दिया है।

बहादुर सेना और देश के मजबूत नेतृत्व को नमन: हरविंद्र कल्याण

■ तिरंगा लिए 30 स्थानों से यात्राएं पहुंची रामलीला ग्राउंड

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को प्रमाण करने तथा देशभक्ति व राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत करने के लिए यहां तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा का आयोजन किया गया। इसमें शहर के 30 स्थानों से निकाली गई यात्राएं शाम पांच बजे रामलीला ग्राउंड पहुंची। हाथों में भारत की आन, बान और शान का प्रतीक तिरंगा लिए यात्रा में शामिल लोगों ने भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारे लगाए। यात्रा में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक व राजनैतिक दलों के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

हल्की बारिश के बावजूद लोग यात्रा के समापन अवसर पर रामलीला मैदान में डटे रहे। लोक संपर्क व भाषा विभाग के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति के गीतों ने लोगों के उत्साह को दुगुना कर दिया। काफी संख्या में महिलाओं ने भी यात्रा में शिरकत की।

इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष हरिवन्द्र कल्याण ने देश की बहादुर सेना और मजबूत नेतृत्व को नमन करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने तीन दिन में ही पाकिस्तान को घुटने टेकने को विवश कर दिया। उन्होंने कहा कि देश का हर नागरिक उत्साहित है, खुश है और सुरक्षित महसूस कर रहा है। जम्मू-कश्मीर में पहलगाम की घटना के बाद हर व्यक्ति का खून खोल रहा था। यह घटना देश की एकता, अखंडता, आस्था के साथ-साथ भारत के विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प हमला थी। ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया कि भारत झांसी की रानी वाला देश है। श्री कल्याण ने अपील की कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हर व्यक्ति ईमानदारी से कर्तव्य निभाए।

पूर्व सांसद संजय भाटिया ने यात्रा में शामिल लोगों का आभार जताते हुए कहा कि दुनिया के इतिहास में ऐसा कोई युद्ध नहीं हुआ है जिसमें दुश्मन ने तीन दिन के भीतर ही घुटने टेक दिए हों। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान का एक भी हमला सफल नहीं होने दिया गया। उन्होंने इसके लिए सेना और देश के नेतृत्व को सलाम किया। भाजपा की प्रदेश महासचिव अर्चना गुप्ता ने तीनों सेनाओं के वीर जांबाजों के पराक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि विश्व में देश का गौरव बढ़ा है।

इंद्री से विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि वीर सैनिकों के सम्मान पूरे देश व प्रदेश में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही है। हर हलके में ऐसी यात्राएं आयोजित की जाएंगी। इंद्री में 18 को और उचानी गांव में 17 मई को तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। श्री कश्यप ने कहा कि देश को अपने वीर सैनिकों पर गर्व है।

करनाल के विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि वीर जवानों के पराक्रम को पूरे विश्व ने देखा है। उन्होंने तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों का आभार जताते हुए कहा कि देश के वीर सैनिकों ने ऐसा काम करके दिखाया है जिसका उल्लेख इतिहास के स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। पाकिस्तान को पता चल गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की नींव बहुत मजबूत हो चुकी है। भारत ने अपनी शर्तों पर युद्ध विराम किया है। देश के 150 करोड़ लोगों को मस्तक गर्व से ऊंचा हुआ है।

असंध के विधायक योगेंद्र राणा ने कहा कि तीन दिन के अंदर की देश के बहादुर सैनिकों ने पाकिस्तान को उसकी औकात का अहसास करा दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी वीर जवानों का हौसला बढ़ाया है। श्री राणा के अनुसार देश की जनता को सेना और प्रधानमंत्री पर गर्व है। लोग पीएम व सेना से साथ हैं। उन्होंने आतंकवादियों का खात्मा करने के लिए सेना का आभार जताया।

इस मौके पर जिला भाजपा अध्यक्ष प्रवीण लाठर, पूर्व मंत्री शशि पाल मेहता, पूर्व चेयरमैन निर्मल बैरागी, सांसद प्रतिनिधि कविंद्र राणा, भाजप के प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट वेद पाल, जिला प्रभारी भारत भूषण, पूर्व विधायक रमेश कश्यप, बृज गुप्ता, मेघा भंडारी, प्रीतपाल पन्न, त्रिलोचन सिंह, डॉ अशोक, पूर्व डिप्टी मेयर नवीन व अन्य मौजूद रहे।

तरुण लुम्बा ने नॉन मेडिकल में 91 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल का नाम किया रोशन

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। सीबीएसई बोर्ड द्वारा घोषित बारहवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में विवेकानंद विद्या निकेतन के छात्र तरुण लुम्बा ने नॉन मेडिकल में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त करके अपने माता पिता व स्कूल का नाम रोशन किया। स्कूल प्रबंधक महेंद्र श्योकंद व प्रधानाचार्य रुप कृष्ण भट्ट ने तरुण लुम्बा को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। तरुण ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों और माता पिता को दिया। छात्र के पिता दीपक लुम्बा व माता चंचल लुम्बा ने कहा कि तरुण की बेहतरीन सफलता पर परिवार के सभी सदस्य खुश है। छात्र तरुण ने कहा कि सही मार्गदर्शन और मेहनत से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

सम्राट पृथ्वी राज चौहान एक महान शासक थे: प्रवीण राणा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। मुनक स्थित सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती पर परिवार और मित्रों द्वारा नमन कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर जानकारी देते हुए समाजसेवी प्रवीन राणा मुनक ने कहा कि शौर्य एवं पराक्रम की प्रतिमूर्ति वीर शिरोमणि सम्राट पृथ्वीराज चौहान का जन्मदिन क्षेत्र सहित प्रदेश एवं देश भर में धूमधाम से मनाया गया। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर युवाओं सहित ग्रामीणों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और सम्राट पृथ्वी राज चौहान के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया। समाजसेवी प्रवीन राणा ने कहा कि सम्राट पृथ्वी राज चौहान एक महान शासक थे जिन्होंने 12वीं शताब्दी में उत्तर-पश्चिमी भारत में शासन किया।

भारतीय इतिहास में उनके जीवन और कार्यों को लेकर कई ऐतिहासिक विवरण उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कहा कि सम्राट पृथ्वीराज चौहान का जन्म चौहान राजा सोमेश्वर और रानी कपूर्रदेवी के घर हुआ था। उन्होंने अपने शासनकाल में कई पड़ोसी राज्यों के खिलाफ सैन्य सफलता हासिल की, विशेष रूप से चंदेल के राजा परमर्दिदेव के खिलाफ बहादुरी और पराक्रम का प्रमाण दिया। इसके साथ ही उन्होंने मोहम्मद गोरी के प्रारंभिक आक्रमण को मजबूती से रोका उन्होंने विभिन्न राज्यों के खिलाफ सैन्य सफलता हासिल की।

पृथ्वीराज चौहान के जीवन और कार्यों को भारतीय इतिहास में बहुत महत्व दिया जाता है। चार बांस चौबीस गज, अंगुल अष्ट प्रमाण, ता ऊपर सुल्तान है मत चुके चौहान यह पंक्तियां उनकी बहादुरी को चरितार्थ करती है। इस अवसर पर अमित सालवन, गौपाल राणा, संजीव राणा, जसपाल, सोनू बिहारी, रवि बिजना आदि उपस्थित रहे।

डीएवी पब्लिक स्कूल का 10वीं व 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम रहा शानदार

■ 12वीं कक्षा में कॉमर्स में विशव जिंदल ने 92.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। सी.बी.एस.ई. द्वारा घोषित डीएवी पब्लिक स्कूल का 10वीं और 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शानदार रहा। स्कूल के 10वीं कक्षा व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर शिक्षकों और परिजनों ने खुशी जाहिर की है। 10वीं कक्षा की छात्रा अवनी ने 98.17 प्रतिशत अंको के साथ प्रथम स्थान, संचित बिन्दल ने 96.67 प्रतिशत अंको के साथ दूसरा, अवनीत कौर ने 95.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अभिभावक व स्कूल का नाम रोशन किया।

विषयानुसार कक्षा 10वीं की छात्रा अवनी ने विषय साइंस, आई. टी., अंग्रेजी, हिन्दी, सामाजिक विज्ञान में उच्चतम अंक क्रमानुसार 100, 100, 96, 97, 98 हासिल करने में सफलता प्राप्त की तथा मनदीप कुमार, संचित बिन्दल ने विषय गणित में उच्चतम 99 अंक प्राप्त किए। 12वीं कक्षा में कॉमर्स में विशव जिन्दल ने 92.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया व दिया गोयल ने 90.60 प्रतिशत अंको के साथ दूसरा स्थान तथा कनन गोयल ने 88.60 प्रतिशत अंको के साथ तृतीय स्थान प्राप्त करने में सफलता हासिल की। साइंस संकाय में अभिमन्यु धानिया ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, प्रियम सुखिजा ने 88.60 अंक हासिल कर दूसरा स्थान, खुशी देवी ने 86.60 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय के वाइस चेयरमैन प्रदीप गोयल तथा प्रधानाचार्य सुखपाल सिंह मान ने सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया एवं मिठाई खिलाकर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

थाना राजौंद पुलिस द्वारा भट्टी चलाकर शराब निकालने वाले 2 आरोपी काबू

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। अवैध शराब तस्करों पर शिकंजा कसते हुए थाना राजौंद पुलिस द्वारा अवैध शराब भट्टी चलाकर शराब निकालने वाले 2 आरोपियों को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस अधीक्षक कैथल आस्था मोदी के निर्देश अनुसार नशा तस्करो के विरुद्ध सख्त अभियान चलाया जा रहा है। रात्रिकालीन गश्त दौरान थाना राजौंद पुलिस के एसआई ईश्वर सिंह की टीम को ईआरवी गाड़ी 398 के इंचार्ज एसआई गुरविंद्र सिंह ने सूचना दी कि गांव सेरधा निवासी कृष्ण के मकान में बीरा राम शराब निकाल रहा है, जो बीरा राम पुलिस को देखकर अवैध शराब की कैनी लेकर फरार हो गया व कृष्ण मौके पर हाजिर है। एसआई ईश्वर सिंह की टीम द्वार मौके पर पहुंचकर की गई जांच दौरान पाया गया कि आरोपियों द्वारा अवैध शराब की भट्टी चलाकर शराब तैयार की जा रही थी।

पुलिस अधीक्षक कैथल आस्था मोदी।

आरोपियों के कब्जे 200 लीटर लाहण तथा भट्ठी चलाने में प्रयुक्त अन्य उपकरण बरामद हुए। थाना राजौंद में मामला दर्ज करके पीएसआई सुनील द्वारा आरोपी कृष्ण को गिरफ्तार कर लिया गया। आगामी जांच दौरान फरार आरोपी सेरधा निवासी बीरा राम को भी गिरफ्तार कर लिया, जिसके कब्जे में कैनी से 25 बोतल शराब बरामद हुई। पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जा रही है।

गांवों को शहरों की तर्ज पर किया जा रहा विकसित: कबीरपंथी

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। नीलोखेड़ी के विधायक भगवान दास कबीरपंथी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा सबका साथ- सबका विकास - सबका विश्वास के सिद्धांत पर चलते हुए प्रदेश में नॉन स्टॉप विकास कार्य करवाएं जा रहे हैं और गांवों को शहरों की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। यानि अब गांवों में भी शहर जैसी सुविधा मिलनी शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार काम कर रही है। वर्तमान सरकार जनता की कसौटी पर खरा उतरने के लिए निरंतर प्रयासरत है। आम जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में युवाओं को बिना खर्ची-बिना पर्ची मेरिट के आधार पर सरकारी नौकरी मिल रही है।

विधायक भगवान दास कबीरपंथी ने शुक्रवार को अपने धन्यवादी दौरे के दौरान नीलोखेड़ी विधानसभा के निगदु मंडल के गांव डाबरथला व कमालपुर गांवों में दर्जनों कार्यकर्ताओं के घर पहुंचकर जलपान किया और सभी का धन्यवाद किया व उनकी समस्या सुनी।

इस अवसर पर विधायक का ग्रामीणों ने फूल-माला पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय और गरीब कल्याण के स्वप्न को साकार करने के लिए केंद्र व प्रदेश की सरकार संकल्पबद्ध है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो संकल्प लिया है, उस संकल्प को हमको मिलकर पूरा करना होगा, इस सपने को साकार करने करते हुए देश को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र की सूची में शामिल करने का काम करना है।

इस मौके पर निगदु मंडल के अध्यक्ष राजपाल हैबतपुर, सुरेश सरपंच, रोक्की, मलखान, चमेल सिंह, बलबीर सीकरी व गांव के सभी सम्मानित कार्यकताओं की उपस्थिति रही।

राजकीय कन्या महाविद्यालय में प्राथमिक चिकित्सा एवं नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। राजकीय कन्या महाविद्यालय में प्राथमिक चिकित्सा एवं नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयुक्त तत्वाधान में छात्राओं को आपातकालीन स्थितियों का सामना करने और दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए आवश्यक जानकारी दी गई। इस मौके पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ विवेक रंगा ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव कुलबीर मलिक ने छात्राओं को कई तरह की आपदाओं के बारे में भी विस्तार से बताया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला रेड क्रॉस की प्राथमिक सहायता के प्रवक्ता नरेश कुमार ने दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की प्राथमिक चिकित्सा के माध्यम से कैसे जान बचाई जा सकती है, इस बारे में बहुत ही सरलता से छात्राओं को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सर्वप्रथम दुर्घटना में घायल व्यक्ति के रक्तस्राव को रोकने का प्रयास करना चाहिए। प्राथमिक उपचार एक घायल व्यक्ति को दी जाने वाली प्रारंभिक देखभाल है। उन्होंने कहा कि धैर्य बनाए रखें और घायल व्यक्ति को जल्द से जल्द चिकित्सा सहायता उपलब्ध करवाने के लिए एंबुलेंस को सही लोकेशन की जानकारी दें।

उन्होंने बताया कि यदि व्यक्ति बेहोश है और उसे सांस लेने में परेशानी हो रही है तो उसे धीरे से करवट दें, उसके कपड़े ढीले करें और उसके सिर को पीछे की ओर झुकाए ताकि उसका वायु मार्ग से खून या उल्टी जैसी कोई रुकावट दूर हो सके।

इस मौके पर डॉ दीपक शर्मा, डॉ बलबीर सैनी,डॉ रमेश कुमार, डॉ जीवन ज्योति, डॉ निशा, रेड क्रॉस रेड, रेड रिबन क्लब के प्रभारी डॉ सुमन चौधरी, सीमा, दीपल आदि मौजूद रहे।

डाक्टर कीर्ति कुमार शर्मा ने एसएमओ राजौंद का पदभार संभाला

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। सीएचसी राजौद में डॉक्टर कीर्ति कुमार शर्मा ने सीएमओ/वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी का पदभार ग्रहण कर लिया है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि राजौंद में बेहतरीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। सीएचसी राजौंद में जरूरत की सभी दवाइयां की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। रेबिज के इंजैक्शन के स्टाक का विशेष ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकारी अस्पताल राजौद में स्टाफ के क्वार्टर जो कंडोम हो चुके हैं उनको बनवाने के लिए काम किया जाएगा। सरकार द्वारा निर्देशित टीवी उन्मूलन प्रोग्राम पर विशेष काम किया जाएगा। हरियाणा सरकार व प्रशासन द्वारा समय-समय पर नशा उन्मूलन बारे विशेष जागरूकता अभियान चलाए जाएगे।

एसएमओ राजौंद डॉ कीर्ति कुमार शर्मा।

आईटीआई राजौंद एट बीर बांगड़ा में 'फूड सेफ्टी एंड एडल्ट्रेशन अवेयरनेस' व डेंगू बुखार पर सेमिनार आयोजित

■ एसएमओ राजौंद डॉ. कीर्ति शर्मा विद्यार्थियों को खाद्य सुरक्षा पर दी जानकारी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान राजौंद एट बीर बांगड़ा में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रेनू चावला के निर्देशन में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी राजौंद डॉक्टर कीर्ति शर्मा की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा पर 'फूड सेफ्टी एंड एडल्ट्रेशन अवेयरनेस' पर सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें डॉक्टर कीर्ति शर्मा ने बच्चों को खाद्य सुरक्षा पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमें मौसम के अनुसार फल और सब्जियां का सेवन करना चाहिए। हमें जंक फूड व पैकेट बंद फूड से बचना चाहिए। क्योंकि ऐसे भोजन जल्दी नहीं बचते और शरीर के लिए हानिकारक होते हैं। हमें हमेशा आयरन युक्त व कैल्शियम युक्त भोजन को अलग-अलग समय पर खाना चाहिए। हमेशा भोजन पकाने व खाने में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इसके अतिरिक्त आज राष्ट्रीय डेंगू दिवस भी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान राजौद व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजौंद के अधीन आने वाले सभी संस्थानों, आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों में डेंगू दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर डॉक्टर संदीप सिंह ने बताया कि नागरिकों को बासी भोजन नहीं करना चाहिए। हमेशा ताजा भोजन ही खाना चाहिए। गर्मी के मौसम में बासी भोजन जल्दी खराब हो जाता है। बासी भोजन से शरीर में अनेक प्रकार के हानी कारक बैक्टीरिया प्रवेश कर जाते हैं। जो स्वस्थ इंसान को बीमार कर देते हैं। उन्होंने बताया कि फलों और सब्जियों को काटकर फ्रिज में लंबे समय तक नहीं रखना चाहिए। बल्कि फल और सब्जियों को काटकर तुरंत प्रयोग में लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमेशा ही मौसमी सब्जी व फलों का सेवन करना चाहिए। स्टोर में लगे हुए बिना मौसम के फलों और सब्जियों के सेवन से बचना चाहिए। स्वास्थ्य निरीक्षक जितेन्द्र ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में बच्चों को डेंगू के लक्षण, बचाव व डेंगू का इलाज के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को बताया कि घर में रखे कूलर, फ्रिज, होदी, गमलों व छत पर पड़े टूटे-फूटे बर्तनों को सप्ताह में एक बार जरूर साफ करना चाहिए।? घर के आसपास खड़े पानी में काला तेल डालकर मच्छरों के लार्वा को नष्ट किया जा सकता है। ताकि गांव नगर क्षेत्र में डेंगू नामक बीमारी को फैलने से रोका जा सके। बताया गया कि अचानक तेज बुखार होना, सिर में दर्द होना, आंखों के पीछे दर्द होना आदि डेंगू के लक्षण होते हैं। अगर किसी को ऐसे लक्षण हो तो तुरंत अपने खून का निकटतम सरकारी अस्पताल में टैस्ट करवाना चाहिए। अगर किसी को डेंगू बुखार की पुष्टि हो जाए तो डॉक्टर की सलाह से अपना कंप्लीट इलाज करवाना चाहिए। इलाज को बीच में नहीं छोड़ना चाहिए। सरकारी हस्पताल के चिकित्सा स्टाफ द्वारा फूड सेफ्टी के बारे में विद्यार्थियों व स्टाफ को जागरूक किया तथा छात्रों द्वारा पूछे गए प्रश्नों पर विस्तृत जानकारी दी।

सेमिनार की समाप्ति विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों को जूस व फल वितरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्ष कृष्ण चंद्र अधीक्षक ने की।

इस अवसर पर विकास गौतम, नरेन्द्र, श्रीमती शिवानी, रामकुमार, रामनिवास स्वास्थ्य कर्मी व सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहें। मंच का संचालन अशोक राणा वेल्डर अनुदेशक ने किया।

डीजीपी हरियाणा ने लॉन्च की नई टेम्पर-प्रूफ पैकेजिंग सामग्री, चार मोबाइल फॉरेंसिक वैन का भी किया विधिवत शुभारंभ

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा की फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल), जो कभी केवल एक विश्लेषणात्मक संस्था मानी जाती थी, आज वैज्ञानिक न्याय प्रणाली की रीढ़ के रूप में उभर चुकी है। हरियाणा पुलिस की एफएसएल ने पिछले डेढ़ वर्षो में न केवल अत्यधिक वैज्ञानिक उपकरणों की बड़ी संख्या में खरीद की है बल्कि एसएसओ, साइबर फोरेंसिक एक्सपर्ट सहित अन्य सहयोगी स्टाफ की भर्ती करते हुए कार्य व न्याय प्रणाली को नई गति प्रदान की है परिणामस्वरूप लंबित मामलों में प्रभावशाली गिरावट दर्ज की गई है।

एक महत्वपूर्ण पहल के तहत पुलिस महानिदेशक हरियाणा शत्रुजीत कपूर ने एफएसएल मधुबन परिसर से चार अत्याधुनिक मोबाइल फॉरेंसिक वैन का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने फॉरेंसिक मोबाइल वैन का निरीक्षण किया और उपस्थित अधिकारियों से इसके बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि इन वैनों को डीएनए सैंपलिंग, फिंगरप्रिंट कैप्चरिंग, डिजिटल डॉक्यूमेंटेशन, कैमरा रिकॉर्डिंग, और प्राथमिक विश्लेषण की सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। ये वैन घटनास्थल पर पहुँचकर वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य एकत्र कर सकेंगी, जिससे परंपरागत देरी और संभावित साक्ष्य क्षरण की समस्या से छुटकारा मिलेगा। यह पहल ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है, जहां पहले जांच अधिकारियों को विशेषज्ञों के पहुंचने की प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। अब घटनास्थल पर ही वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए जा सकेंगे, जिससे न्यायिक प्रक्रिया की गति और गुणवत्ता दोनों में सुधार होगा।

इसी कार्यक्रम में डीजीपी हरियाणा ने एफएसएल द्वारा विकसित अत्याधुनिक टेम्पर-प्रूफ पैकेजिंग और सीलिंग सामग्री का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह पैकेजिंग इस तरह डिजाइन की गई है कि एक बार सील होने के बाद यदि किसी ने उसके साथ छेड़छाड़ की, तो वह स्पष्ट रूप से पहचानी जा सकेगी। इससे अदालत में प्रस्तुत साक्ष्यों की वैधता को और अधिक मजबूती मिलेगी।

टेम्पर-प्रूफ पैकेजिंग न्यायिक प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही का एक नया आयाम जोड़ रही है। यह वैज्ञानिक प्रक्रिया अब यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी साक्ष्य रास्ते में बदला या नष्ट नहीं किया गया है। ऐसे में अपराधियों के दोषमुक्त होने की संभावना में कमी आएगी और न्यायिक प्रक्रिया पर आम जनता का विश्वास बढ़ेगा।